हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

RNI NO - CTHIN/25/A0716

वर्ष - 03 अंक - 82 बेमेतरा, शनिवार 07 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पहला कॉलम

कॉकरोच जनता पार्टी पर विदेशी फंडिंग से अराजकता फैलाने का आरोप

नई दिल्ली। राजनीतिक व्यंग्य करने वाले संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गंभीर आरोप लगाए हैं। केंद्र सरकार का दावा है कि संगठन को भारत में अराजकता फैलाने के लिए विदेशों और पाकिस्तान से अवैध रूप से धन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने संगठन के दो प्रवक्ताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को पूछताछ के लिए तलब किया है। इससे यह विवाद अब कानूनी जांच के दायरे में आ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बेंगलुरु में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि सीजेपी को भारत विरोधी विदेशी संगठनों, गैर-सरकारी संस्थाओं और विदेशी ताकतों से आर्थिक सहायता मिल रही है।

यूथ कांग्रेस की इंडिया गठबंधन की महारैली में न जाने वालों पर कार्रवाई

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने संगठनात्मक अनुशासनहीनता के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ राज्यों के 215 पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इन पदाधिकारियों पर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विपक्षी गठबंधन की महारैली में अनुपस्थित रहने का आरोप है। निलंबन के आदेश तीन नवंबर को जारी किए गए हैं और ये अगले आदेश तक प्रभावी रहेंगे। युवा कांग्रेस ने इस रैली में पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का सहारा लिया था। इसके तहत विशेष मोबाइल अनुप्रयोग, वास्तविक समय में स्थान साझा करने की व्यवस्था और बारकोड जांच प्रणाली का इस्तेमाल किया गया। संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तर के सभी पदाधिकारियों को रैली में अनिवार्य रूप से शामिल होने के निर्देश दिए थे।

नौकरी छूटी और मैं पागल हो गया,पत्नी का कटा सिर गोद में रख मंदिर पहुंचे पति का खौफनाक कबूलनामा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले से दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक पूर्व बस कंडक्टर ने घरेलू विवाद और मानसिक तनाव के बीच धारदार हथियार से अपनी पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया। इसके बाद आरोपी अपनी पत्नी का कटा हुआ सिर गोद में रखकर अपने दोनों मासूम बच्चों के साथ पास के एक काली मंदिर में जाकर बैठ गया। उसके एक हाथ में खून से सना चाकू था। मंदिर परिसर में इस भयावह दृश्य को देखकर स्थानीय ग्रामीणों में चीख-पुकार मच गई।और पूरे इलाके में भारी दहशत फैल गई। मंदिर के भीतर गोद में कटा सिर और हाथ में चाकू देख कांप उठे लोग यह रूह कंपा देने वाली घटना गंगारामपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नारायणपुर वार्ड 4 स्थित स्थानीय काली मंदिर की है। आरोपी की पहचान रिंटू घोष के रूप में हुई है।

किसानों को मशीन देने भर से नहीं रुकेगी पराली जलाने की समस्या

जहरीली हवा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त सारी गलती किसानों की ही नहीं....

नई दिल्ली/ एजेंसी



शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के लिए वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को एक बड़ा कारण बताया। कोर्ट ने कहा कि बढ़ते एयर क्वालिटी इंडेक्स को नियंत्रित करने के लिए तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए नियामक ढांचे से जुड़े एक स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सड़कों पर भारी ट्रैफिक और अक्सर लगने वाले जाम पर चिंता जताई। सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी की, हम लगातार बातचीत करते हैं, बयान जारी करते हैं और सुझाव देते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि एक्यूआई पहले ही 400 के स्तर को छू रहा है। पीठ ने दिल्ली को गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे आसपास के इलाकों से जोड़ने वाली सड़कों पर वाहनों की भारी आवाजाही की ओर इशारा किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, दिल्ली और एनसीआर को जोड़ने वाली सड़कों को देखिए। किसी भी सड़क को चुन लें और उस पर चलने वाले वाहनों की संख्या देखें, यही मुख्य समस्या है। पीठ ने गौर किया कि इस प्रदूषण का सबसे बुरा असर गरीबों पर पड़ता है, क्योंकि उनमें से कई लोग सड़कों पर रहते हैं। कोर्ट ने कहा, कोई भी पाबंदी काम नहीं आएगी। हम जितने ज्यादा आदेश जारी करेंगे, नियमों के उल्लंघन के मामले उतने ही बढ़ेंगे। सीजेआई ने टिप्पणी की, गरीब लोग प्रदूषण नहीं फैलाते, बल्कि वे खुद इसके शिकार होते हैं। प्रदूषण तो वे लोग फैलाते हैं जो ऐसा करने में सक्षम हैं और जो इसमें योगदान देते हैं। इसके अलावा, त्योहारों का समय अक्सर ऐसा होता है जब वे अपनी आजीविका कमाने के लिए काम पर निर्भर होते हैं। पराली जलाने के मुद्दे पर, पीठ ने किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और उन्हें खेतों में आग लगाने के बजाय मशीनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। जब एक्यूआई एक निश्चित स्तर से ऊपर चला जाए, तो सभी उम्र के छात्रों के लिए स्कूलों को बंद करने या पढ़ाई के लिए 'हाइब्रिड मोड' अपनाने की मांग वाली एक याचिका के जवाब में, पीठ ने कहा कि वह विशेषज्ञों की राय के आधार पर फैसला लेगी। केंद्र सरकार और अन्य संबंधित प्राधिकरणों की ओर से पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने प्रदूषण के पांच प्रमुख स्रोतों से निपटने के लिए बनाए गए नियामक ढांचे के बारे में जानकारी दी। इनमें औद्योगिक उत्सर्जन, वाहनों से होने वाला प्रदूषण, निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़क की धूल और पराली जलाना शामिल हैं।

दिल्ली-एनसीआर में दिवाली से पहले ग्रैप-3 लागू,गंभीर श्रेणी के करीब वायु प्रदूषण

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। वायु प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' श्रेणी के करीब पहुंचने को है। इसी के साथ ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत लागू स्टेज-3 प्रदूषण प्रतिबंध भी लागू हो गए हैं। दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 382 तक पहुंच गया है। इसी को देखते हुए 'कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट' ने एहतियाती कदम उठाते हुए तत्काल प्रभाव से ग्रैप-3 की पाबंदी लागू की है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रैप-3 के तहत गैर-जरूरी निर्माण कार्यों और तोड़फोड़ के काम पर पूरी तरह से रोक शामिल है जैसे की मिट्टी की खुदाई, पाइलिंग, ट्रेंचिंग और रेडी-मिक्स्ड कंक्रीट प्लांटों का खुले में संचालन करना शामिल है। दिल्ली-एनसीआर जिलों में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल चार पहिया वाहनों के सड़कों पर चलने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा इंटर-स्टेट डीजल बसों के राजधानी में प्रवेश करने या चलने पर रोक रहेगी। रेत और सीमेंट जैसी सामग्री के ट्रांसपोर्ट पर भी प्रतिबंध लागू रहेगा। इमरजेंसी और जरूरी सेवाओं को छोड़कर जनरेटर सेटों का इस्तेमाल भी प्रतिबंधित है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के मकसद से प्राइवेट कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम या हाइब्रिड मॉडल पर काम करने की सलाह दी गई है।

छत्तीसगढ़ आएंगे नितिन नवीन

15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल....

रायपुर। संवाददाता



भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका प्रदेश का पहला दौरा होगा। इस दौरान वे रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी की भी मौजूदगी रहेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आमंत्रण पर नितिन नबीन ने छत्तीसगढ़ आने की सहमति दी है। उनके इस दौरे को प्रदेश की राजनीति और भाजपा संगठन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को छत्तीसगढ़ आने का आमंत्रण दिया था। इस पर उन्होंने अपनी सहमति दे दी है। 15 नवंबर को वे रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ पहुंचेंगे और जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद उनका यह पहला छत्तीसगढ़ दौरा होगा। ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं और संगठन के बीच इस दौरे को लेकर खास उत्साह देखा जा रहा है। धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में नितिन नबीन के साथ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी भी शामिल होंगी। कार्यक्रम के जरिए जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को सम्मान दिया जाएगा। जनजातीय गौरव दिवस हर साल 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में इस दिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

शरद पवार से मिले प्रफुल पटेल

एनसीपी विलय की अटकलें तेज 10 के बाद होगा सियासी खेला?

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में एक बार फिर से सियासी हलचल तेज हो गई है। इसका केंद्र बने हैं शरद पवार। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती शरद पवार का हाल-चाल जानने के लिए सुनेत्रा पवार गुट के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल पहुंचे। वैसे तो यह एक औपचारिक मुलाकात थी, लेकिन इसके राजनीतिक मायने बहुत गहरे निकाले जा रहे हैं। खासतौर पर तब, जब कुछ ही समय पहले प्रफुल पटेल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इसके बाद सीधे शरद पवार से मिलने पहुंचने के फैसले ने राज्य में एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की अटकलों को हवा दे दी है। शरद पवार और प्रफुल पटेल की अस्पताल में मुलाकात का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल और बढ़ा दी है। वीडियो में शरद पवार प्रफुल पटेल से यह कहते हुए सुने जा रहे हैं, हम दिवाली के बाद यानी 10 तारीख के बाद साथ बैठेंगे। इस एक वाक्य ने महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या पर्दे के पीछे दोनों गुटों को एक साथ लाने या किसी बड़े सियासी समझौते की पटकथा लिखी जा रही है। इस वीडियो में शरद पवार यह भी कहते नजर आ रहे हैं कि कल मुझे यहां से छुट्टी दे दी जाएगी। इसके बाद प्रफुल पटेल कहते है मैं 10 से मुंबई में ही हूं। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रफुल पटेल ने स्पष्ट किया।



एनसीपी का एक धड़ा पार्थ पवार से नाराज

प्रफुल पटेल समेत सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी का एक धड़ा पार्थ पवार से नाराज बताया जा रहा है। इसकी झलक हमने अमित शाह से मुलाकात के दौरान देखी। अमित शाह से मुलाकात के दौरान न तो सुनेत्रा पवार मौजूद रहीं न ही पार्थ पवार। उसी दिन मुंबई में एनसीपी की कोर कमेटी की बैठक में पार्थ पवार के कामकाज के तरीके पर सवाल भी उठे। सीनियर नेताओं का कहना है कि पार्थ पवार बिना सलाह के या बिना किसी सूचना के फैलसे ले रहे हैं।

दिवाली से पहले दिल्ली की हवा हुई जहरीली, कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 के पार

नई दिल्ली। दीपावली से ठीक पहले दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण ने गंभीर रूप ले लिया है। राजधानी की हवा जहरीली हो गई है और कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार सुबह दिल्ली के कई क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। पूरी राजधानी धुंध की मोटी चादर में ढकी नजर आई।

पटना में बैठे असली साइबर ठगों की तलाश जारी

113 करोड़ रूपए की साइबर ठगी का खुलासा-21 राज्यों में फैला था नेटवर्क,आरोपी गिरफ्तार,बिहार से जुड़े हैं तार.....

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ की सूरजपुर पुलिस ने देशभर में फैले एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर ठगी नेटवर्क का खुलासा करते हुए आरोपी देवनारायण चक्रधारी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि फर्जी संस्था के नाम पर बैंक खाते खोलकर देश के 21 राज्यों में 150 से अधिक लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी की गई। इन बैंक खातों से 113 करोड़ 32 लाख 9 हजार 604 रुपये की ठगी की रकम का कनेक्शन सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से मिली रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू की गई थी। जांच में पता चला कि ग्राम गंगौटी निवासी 32 वर्षीय देवनारायण चक्रधारी ने अपने भाई महेश चक्रधारी के साथ मिलकर डीएन चक्रधारी एजुकेशन डेवलपमेंट एसोसिएशन नाम से एक फर्जी संस्था बनाई थी। इसी संस्था की आड़ में भारतीय स्टेट बैंक की सूरजपुर शाखा में बैंक खाते खोले गए थे। जांच में पता चला कि



जनवरी 2024 से जुलाई 2025 के बीच देश के अलग-अलग राज्यों से इन बैंक खातों के खिलाफ 150 से अधिक शिकायतें दर्ज हुई थीं। पुलिस को इन खातों के माध्यम से कुल 113 करोड़ 32 लाख 9 हजार 604 रुपये की साइबर ठगी से जुड़े लेनदेन का पता चला है। इस नेटवर्क के तार बिहार की राजधानी पटना से भी जुड़े मिले हैं। पुलिस जांच के अनुसार, आरोपियों ने महज 8 लाख रुपये और प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर मोटा कमीशन मिलने के लालच में अपनी संस्था के बैंक खातों की इंटरनेट बैंकिंग आईडी और पासवर्ड साइबर ठगों को सौंप दिए थे।



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े और अन्य जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों की मौजूदगी में बीजेपी की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में हिस्सा लिया।

सीजेआई पर पोस्ट से भड़का सुप्रीम कोर्ट

कांग्रेस से पूछा-अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए

नई दिल्ली/ एजेंसी



भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के खिलाफसोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केरल कांग्रेस के नेताओं को नोटिस जारी किया है। शुक्रवार को अदालत ने केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारियों से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि उनके खिलाफ न्यायालय की अवमानना के मामले में कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। यह मामला कांग्रेस की केरल इकाई के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क अकाउंट पर किए गए एक पोस्ट से जुड़ा है। इस पोस्ट में सीजेआई सूर्यकांत को निशाना बनाया गया था।

दीपावली से पहले छाया मातम

हाईटेंशन तार ने ली पिता-पुत्र की जान,मां गंभीर रूप से झुलस गई

बलौदाबाजार। धनतेरस के दिन बलौदाबाजार में एक दर्दनाक हादसे ने परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। नेहरू चौक इलाके में घर के बाहर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से पिता और पुत्र की मौत हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से झुलस गईं। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, नेहरू चौक में राकेश गुप्ता के घर के बाहर से हाईटेंशन बिजली लाइन गुजर रही है। बताया जा रहा है कि यह लाइन घर से महज करीब पांच फीट की दूरी पर है। हादसे के दौरान राकेश गुप्ता सबसे पहले बिजली तार की चपेट में आए। राकेश को करंट की चपेट में आया देखकर उनकी पत्नी वर्षा और बेटा ईशान उन्हें बचाने के लिए पहुंचे। इसी दौरान दोनों भी बिजली के संपर्क में आ गए। हादसे में राकेश गुप्ता और उनके बेटे ईशान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वर्षा गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें रायपुर रेफर कर दिया। हादसे के बाद घर के बेहद करीब से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि घर से महज कुछ दूरी पर इतनी ऊंची क्षमता वाली बिजली लाइन गुजरने के बावजूद सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए।



भीषण सड़क हादसा: तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में धनतेरस के दिन एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र में हुआ है। मृतकों की पहचान निहारिका ध्रुव पिता रामचंद्र ध्रुव उम्र 16 साल, रामचंद्र ध्रुव उम्र 39 साल और टोमेश ध्रुव पिता रामचंद्र ध्रुव उम्र 12 साल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तीनों एक ही परिवार के थे और ग्राम खैरताल थाना भाटापारा ग्रामीण के रहने वाले थे।

'विष्णु की पाती' के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कलाकार जितेंद्र साहू के सृजनात्मक प्रयासों की सराहना की

कबाड़ को कलाकृति में बदलकर पर्यावरण संरक्षण और विकसित छत्तीसगढ़ का दे रहे संदेश

मूक पत्रिका



बेमेतरा - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्योत्सव के अवसर पर 'विष्णु की पाती' के माध्यम से छत्तीसगढ़ के सृजनशील कलाकार जितेंद्र साहू को पत्र भेजकर उनकी कला, रचनात्मक सोच और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है। कलाकार जितेंद्र साहू अपनी अनूठी कला के माध्यम से अनुपयोगी एवं कबाड़ सामग्री को आकर्षक कलाकृतियों और कलात्मक संरचनाओं में परिवर्तित कर रहे हैं। उनका यह प्रयास न केवल कला के क्षेत्र में नवाचार का उदाहरण है, बल्कि अपशिष्ट पदार्थों के पुनः उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का भी प्रभावी माध्यम बन रहा है।मुख्यमंत्री साय ने अपने संदेश में ऐसे सृजनशील प्रयासों को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पहचान को समृद्ध करने वाला बताया। कलाकार साहू की सोच में कला के साथ-साथ युवाओं के कौशल विकास, स्वरोजगार और सतत विकास की व्यापक संभावनाएं भी दिखाई देती हैं। 'छत्तीसगढ़ विजन 2047' के परिप्रेक्ष्य में जितेंद्र साहू ने भविष्य के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव एवं लक्ष्य सामने रखे हैं। इनमें युवाओं के लिए 'कबाड़ से कला' आधारित प्रशिक्षण केंद्र एवं कार्यशालाओं की स्थापना, प्रदेश के प्रमुख शहरों के पार्कों और चौराहों पर छत्तीसगढ़ की संस्कृति, वन्यजीवों एवं जैव-विविधता को दर्शाने वाली विशाल स्क्रैप कलाकृतियों की स्थापना तथा अपनी कला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों तक पहुंचाना शामिल है।उन्होंने सुझाव दिया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में वेस्ट मैनेजमेंट और पब्लिक आर्ट को प्रोत्साहित किया जाए। सरकारी भवनों, एयरपोर्ट एवं रेलवे स्टेशनों पर स्क्रैप आर्ट गैलरी विकसित की जाए तथा स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए स्कल्पचर पार्क अथवा क्राफ्ट विलेज की स्थापना की जाए। इससे छत्तीसगढ़ को स्क्रैप आर्ट के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दिलाने के साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी विकसित किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार-कलाकार जितेंद्र साहू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'विष्णु की पाती' के माध्यम से उनकी कला और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की सराहना किया जाना उनके लिए अत्यंत गौरव और भावुकता का क्षण है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी का यह स्नेह, सम्मान और प्रोत्साहन उनकी रचनात्मक यात्रा को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा। यह सम्मान उनके लिए केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि अपनी कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने, पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प में और अधिक सक्रिय योगदान देने की प्रेरणा है। उन्होंने मुख्यमंत्री का हृदय से धन्यवाद करते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।जितेंद्र साहू की यह पहल इस बात का उदाहरण है कि रचनात्मकता और नवाचार के माध्यम से अनुपयोगी वस्तुओं को भी उपयोगी एवं आकर्षक स्वरूप दिया जा सकता है। उनकी कला पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को एक साथ जोड़ने की प्रेरणा देती है।

रोशनी-मधु ने जीता स्वर्ण पदक, राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन, राज्य स्तरीय अंडर-19 बालिका वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर बढ़ाया जिले का गौरव



मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति के दम पर बीजापुर की दो बेटियों ने राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता में स्वर्णिम सफलता हासिल की है। रोशनी कुडियम और मधु कुडियम ने अंबिकापुर में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता के अंडर-19 बालिका बैडमिंटन वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने का गौरव प्राप्त किया है। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है। अंबिकापुर में 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में रोशनी और मधु ने अपने खेल कौशल का बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। साधारण परिवारों से आने वाली दोनों खिलाड़ी बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद नियमित अभ्यास, अनुशासन और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।जिले में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा लगातार प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया जा रहा है। खिलाड़ियों की इस सफलता में प्रशासनिक सहयोग के साथ प्रशिक्षकों का समर्पण और दोनों खिलाड़ियों की मेहनत महत्वपूर्ण रही।इस उपलब्धि पर कलेक्टर विश्वदीप ने रोशनी और मधु को बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी के प्रभारी एवं डिप्टी कलेक्टर आदित्य कुमार कुंजाम, डीईओ राजेश पांडेय, सहायक खेल अधिकारी डी. सुबैया और बैडमिंटन प्रशिक्षक कमलेश्वरी निषाद उपस्थित रहे।

सरगुजा ओलंपिक में अव्यवस्था पर कलेक्टर सख्त, दो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

खिलाड़ियों को रात 10 से 11 बजे के बीच किया गया रवाना, भोजन की व्यवस्था भी रही नदारद; दो दिन में मांगा जवाब



अम्बिकापुर। जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक 2026 के समापन समारोह के बाद खिलाड़ियों की वापसी और भोजन की व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आने पर कलेक्टर अजीत वसंत ने सख्त रुख अपनाया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने जिला खेल अधिकारी राम कुमार सिंह और जनपद पंचायत सीतापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जय गोविंद गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 5 नवंबर को अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में सरगुजा ओलंपिक 2026 का समापन समारोह आयोजित किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों से बड़ी संख्या में खिलाड़ी पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सीतापुर क्षेत्र के खिलाड़ियों को शाम 6 बजे तक वापस रवाना किया जाना था, लेकिन निर्धारित समय पर उनके लिए वाहन की व्यवस्था नहीं की गई। व्यवस्थाओं में देरी के चलते खिलाड़ियों को कई घंटों तक इंतजार करना पड़ा। बताया गया कि सीतापुर के खिलाड़ियों के दल को रात करीब 10 से 11 बजे के बीच वापस रवाना किया गया। इस दौरान उनके भोजन की समुचित व्यवस्था भी नहीं की गई थी। इससे खिलाड़ियों के साथ आए अभिभावकों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मामले में कलेक्टर ने इसे शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही और उदासीनता माना है। जिला खेल अधिकारी से समय पर वाहन एवं भोजन की व्यवस्था नहीं करने तथा नोडल अधिकारियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं जनपद पंचायत सीतापुर के सीईओ से भी खिलाड़ियों की वापसी के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित नहीं करने का कारण पूछा गया है।

सरगुजा में 15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, तैयारियां अंतिम चरण में

61 उपार्जन केंद्रों में होगी धान की खरीदी, जिले के 62,471 किसानों ने कराया पंजीयन



अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होने जा रही है। इसे लेकर जिला प्रशासन और संबंधित समितियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इस वर्ष जिले में कुल 62 हजार 471 किसानों ने धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया है। इन किसानों का कुल पंजीकृत रकबा 67 हजार 929.40 हेक्टेयर है। किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा उपार्जन केंद्रों में व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। जिले में पहले 54 धान उपार्जन केंद्र संचालित थे। इस वर्ष किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 7 नवीन धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इसके साथ ही जिले में उपार्जन केंद्रों की कुल संख्या बढ़कर 61 हो गई है। नए केंद्र शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर स्थित केंद्रों तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे परिवहन खर्च और समय दोनों की बचत होगी।

दरिमा केंद्र में भी तैयारियां लगभग पूरी-धान खरीदी को लेकर दरिमा धान उपार्जन केंद्र में भी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। धान उपार्जन समिति के सत्यम कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 15 नवंबर से खरीदी प्रारंभ होनी है। इसके लिए केंद्र परिसर की साफ-सफाई कराई जा रही है। साथ ही किसानों के लिए पेयजल, बैठने और छाया सहित अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है।उन्होंने बताया कि दरिमा समिति में लगभग 885 किसान पंजीकृत हैं, जो प्रतिवर्ष यहां अपनी उपज का विक्रय करते हैं। किसानों को धान बेचने के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। खरीदी शुरू होने से पहले शेष व्यवस्थाएं भी पूरी कर ली जाएंगी।

जिले में धान खरीदी की तैयारियों को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही अब किसानों को खरीदी शुरू होने का इंतजार है। प्रशासन का प्रयास है कि इस वर्ष धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी तरीके से संपन्न हो।

दीपावली पर आगजनी से बचाव के लिए अग्निशमन विभाग ने जारी की एडवाइजरी

पटाखे जलाते समय बरतें विशेष सावधानी, दुकानदारों और नागरिकों के लिए जारी किए सुरक्षा निर्देश



अम्बिकापुर। दीपावली पर्व के दौरान पटाखों और दीपों से होने वाली आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा अम्बिकापुर ने अग्नि सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने नागरिकों, व्यापारियों, पटाखा विक्रेताओं और आवासीय कॉलोनियों के निवासियों से सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।विभाग ने पटाखा दुकानदारों को वैध अस्थायी अनुज्ञप्ति के अनुसार निर्धारित स्थान पर ही पटाखों का विक्रय करने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक दुकान में कम से कम दो कार्यशील अग्निशमन यंत्र रखना अनिवार्य बताया गया है। दुकानों में पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर जैसी ज्वलनशील सामग्री रखने, धूम्रपान करने तथा खुली आग जलाने पर प्रतिबंध लगाने को कहा गया है।बच्चों को बड़ों की निगरानी में ही पटाखे जलाने, खुले एवं सुरक्षित स्थानों का चयन करने और सूती कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। अधजले पटाखों को दोबारा जलाने तथा हाथ में पकड़कर पटाखे फेंकने से बचने को कहा गया है। वहीं घरों में दीपक और मोमबत्तियां पर्दों एवं ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रखने तथा बाहर जाते समय विद्युत सजावटी लाइट बंद करने की अपील की गई है।बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पटाखे जलाने से बचने, अग्निशमन वाहनों के लिए रास्ता खाली रखने तथा कॉलोनियों में बिजली के तारों, ट्रांसफार्मर और वाहनों से दूर पटाखे जलाने के निर्देश दिए गए हैं।विभाग ने आग लगने पर घबराने के बजाय तत्काल लोगों को सूचित कर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी है। झुलसने की स्थिति में प्रभावित हिस्से को करीब 20 मिनट तक सामान्य ठंडे बहते पानी से ठंडा करने तथा बर्फ, तेल या टूथपेस्ट नहीं लगाने को कहा गया है। आपातकालीन स्थिति में नागरिक 101, 112 अथवा विभागीय नंबर 07774-220100 और 07774-222123 पर संपर्क कर सकते हैं। विभाग ने सभी नागरिकों से सतर्कता बरतते हुए दीपावली का पर्व सुरक्षित, शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील की है।

धनतेरस पर मोबाइल दुकान में लाखों की चोरी, ग्राइंडर से काटा छत का दरवाजा; डीवीआर भी ले उड़े चोर

वाड्रफनगर की जानू मोबाइल दुकान को चोरों ने बनाया निशाना, महंगे मोबाइल लेकर फरार हुए आरोपी, पुलिस जांच में जुटी



बलरामपुर। धनतेरस और दीपावली के त्योहार पर जहां व्यापारियों को अच्छी बिक्री और मुनाफे की उम्मीद रहती है, वहीं बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर में एक मोबाइल व्यवसायी को त्योहार से पहले लाखों रुपये की चोरी का बड़ा झटका लगा है। अज्ञात चोरों ने गुरुवार की रात जानू मोबाइल दुकान को निशाना बनाते हुए दुकान में रखे कई महंगे मोबाइल फोन पार कर दिए। शातिर चोर वारदात को अंजाम देने के बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए।जानकारी के अनुसार, चोरों ने दुकान में प्रवेश करने के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाया। उन्होंने दुकान की छत पर लगे दरवाजे को ग्राइंडर मशीन की मदद से काटा और इसके बाद दुकान के भीतर दाखिल हो गए। दुकान में रखे महंगे मोबाइल फोन समेटने के बाद आरोपी छत के रास्ते ही फरार हो गए। वारदात को इस तरह अंजाम दिया गया कि किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी।शुक्रवार की सुबह धनतेरस के दिन जब दुकान संचालक दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान में सामान बिखरा हुआ था और कई कीमती मोबाइल फोन गायब थे। जब उन्होंने छत पर जाकर देखा तो वहां लगा दरवाजा कटा हुआ मिला। इसके बाद चोरी की घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।सूचना मिलते ही वाड्रफनगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दुकान से फिंगरप्रिंट और अन्य जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। साथ ही आसपास की दुकानों और घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

जैजैपुर थाना क्षेत्र में अवैध गांजा और शराब कारोबार को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी, युवा पीढ़ी के भविष्य पर मंडराता नशे का खतरा

ग्राम कुटराबोड़ बना गांजा कारोबार का कथित अड्डा, नशेड़ियों के जमावड़े से ग्रामीणों में दहशत

मूक पत्रिका



सक्ती/जैजैपुर। जिले के जैजैपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुटराबोड़ में कथित अवैध गांजा कारोबार को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लंबे समय से गांजे की खरीद-बिक्री का कारोबार चल रहा है, लेकिन अब तक इस पर प्रभावी कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। हालात ऐसे बताए जा रहे हैं कि आसपास के गांवों के युवक भी गांजे के सेवन के लिए यहां पहुंचते हैं। गांव में बढ़ते नशेड़ियों के जमावड़े से ग्रामीणों में चिंता और भय का माहौल बना हुआ है। दिन हो या रात, नशेड़ियों के जमावड़े से ग्रामीण परेशान-ग्रामीणों के मुताबिक कुटराबोड़ में शाम ढलते ही चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर बाहरी युवकों का जमावड़ा लगने लगता है। आरोप है कि इनमें बड़ी संख्या में युवा शामिल रहते हैं। दिन और रात के समय नशे का सेवन किए जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार सार्वजनिक स्थानों और घरों के आसपास नशा करने से मना करने पर नशे में धुत युवकों द्वारा गाली-गलौज और विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है।

आसपास के कई गांवों के युवाओं तक पहुंच रहा नशे का प्रभाव:-ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, आसपास के लगभग दस गांवों के लोग कथित रूप से गांजे की खरीदारी और सेवन के लिए कुटराबोड़ पहुंचते हैं। इनमें बुजुर्गों से लेकर नवयुवकों तक के शामिल होने की बात कही जा रही है। सबसे अधिक चिंता युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को लेकर है। अभिभावकों को आशंका है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो इसका असर नई पीढ़ी के भविष्य, शिक्षा और पारिवारिक जीवन पर पड़ सकता है।

अवैध शराब के कारोबार की शिकायतें भी-ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कच्ची महुआ शराब, देशी एवं विदेशी मदिरा और गांजे के कारोबार को लेकर भी शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शाम होते ही कई सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वालों की भीड़ जुटने लगती है। इससे महिलाओं, बुजुर्गों और आम नागरिकों को आवागमन में असहजता महसूस होती है।

पुलिस की गश्त के बावजूद कार्रवाई पर सवाल-ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पुलिस की 112 वाहन से गश्त होने के बावजूद कथित अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। वर्षों से कारोबार संचालित होने की शिकायतों के बीच सवाल उठता है कि आखिर जिम्मेदार विभागों द्वारा नियमित निगरानी और कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और पुलिस का पक्ष सामने आना अभी बाकी है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई कार्रवाई की गुहार-गांव के लोगों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ग्राम कुटराबोड़ में कथित गांजा कारोबार की निष्पक्ष जांच कराई जाए। अवैध मादक पदार्थों की बिक्री में संलिप्त लोगों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने और ग्रामीणों से विवाद करने वालों पर भी सख्ती बरती जाए।

अब देखना यह होगा कि ग्रामीणों की इन गंभीर शिकायतों पर जैजैपुर पुलिस और जिला प्रशासन कब संज्ञान लेते हैं। क्या युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे या ग्रामीणों की शिकायतें यूं ही अनसुनी होती रहेंगी?

लोकेश भारद्वाज बने अखिल भारतीय सतनाम सेना के जिलाध्यक्ष



राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मगुरु बालदास साहेब जी ने की घोषणा, समर्थकों एवं समाजजनों में हर्ष का माहौल

मूक पत्रिका

सक्ती। अखिल भारतीय सतनाम सेना के संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्वज धर्मगुरु बालदास साहेब ने श्लोकेश भारद्वाज को जिला सक्ती (छत्तीसगढ़) का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मगुरु बालदास साहेब द्वारा की गई। लोकेश भारद्वाज को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर सतनाम समाज एवं संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर समाजजनों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में अखिल भारतीय सतनाम सेना जिला सक्ती में और अधिक मजबूत होगी।नवनियुक्त जिलाध्यक्ष लोकेश भारद्वाज ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए धर्मगुरु बालदास साहेब छ. ग. शासन के कैबिनेट मंत्री एवं अखिल भारतीय सतनाम सेना के प्रदेश अध्यक्ष धर्मगुरु खुशवंत साहेब ने संगठन की विस्तार सहित समाज के हितो मे कार्य करने हेतु निर्देशित करते हुए बधाई दी वही संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा सामाजिक उत्थान के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।सतनाम समाज में इस नियुक्ति को संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा।

संक्षिप्त समाचार

विशेष आवश्यकता वाले 239 बच्चों का आकलन, सहायक उपकरणों के लिए किया गया चिन्हांकन



बिलासपुर। समग्र शिक्षा के राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देशानुसार विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए 4 नवंबर को पंडित देवकीनंदन दीक्षित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय आकलन शिविर आयोजित किया गया। शिविर में प्राथमिक, माध्यमिक एवं पीएमश्री विद्यालयों में अध्ययनरत 239 बालक-बालिकाएं अपने पालकों के साथ शामिल हुए। शिविर में अस्थि बाधित, श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित, बौद्धिक दिव्यांगता एवं सिकल सेल से प्रभावित बच्चों का विशेषज्ञों द्वारा आकलन किया गया। बच्चों की आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया गया। साथ ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने एवं उनके नवीनीकरण की कार्रवाई की गई। जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा बिलासपुर ने बताया कि शिविर में एलिम्को के सदस्यों के अलावा जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं राज्य मानसिक चिकित्सालय के चिकित्सकों ने सेवाएं दीं।

कुसमुंडा-गेवरा टीपर मार्ग पर हादसाः स्कूटी-बाइक की टक्क र के बाद ट्रेलर की चपेट में आए युवक-युवती की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक और युवती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा कुसमुंडा-गेवरा को जोड़ने वाले टीपर मार्ग पर सुबह करीब 8 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि स्कूटी और बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दौरान बाइक सवार युवक ट्रेलर के पहियों के नीचे आ गया, वहीं स्कूटी सवार युवती की भी हादसे में जान चली गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 8 बजे युवक बाइक से और युवती स्कूटी से टीपर मार्ग पर गुजर रहे थे। इसी दौरान दोनों दुपहिया वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर ट्रेलर की चपेट में आ गया और उसके पहियों के नीचे आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि युवक और युवती दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गेवरा-कुसमुंडा को जोड़ने वाले रेलवे अंडरब्रिज को मंगलवार से मरम्मत कार्य के लिए बंद कर दिया गया था। इसके चलते इस मार्ग से आवागमन करने वाले सैकड़ों लोगों को वैकल्पिक रास्ते के रूप में भारी वाहनों के आवागमन वाले टीपर रोड का इस्तेमाल करना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि भारी वाहनों और दुपहिया वाहनों की एक ही मार्ग पर आवाजाही के कारण दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। बुधवार सुबह हुए इस हादसे ने सड़क सुरक्षा और वैकल्पिक यातायात व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही कुसमुंडा पुलिस मौके पर पहुंची। फ्लिहाल मृतक युवक और युवती की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच और मृतकों की पहचान की कार्रवाई की जा रही है। घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी पुलिस की जांच के बाद सामने आएगी।

रेत के कारोबार पर वर्चस्व की लड़ाई : दो गुटों में खूनी संघर्ष पथराव के बाद 10 गिरफ्तार

कोरबा । शहर में रेत के कारोबार पर वर्चस्व की लड़ाई एक बार फिर सड़क पर आ गई। वैध और अवैध तरीके से चल रहे रेत के कारोबार से जुड़े दो गुट ट्रैक्टर रोकने और रेत खाली कराने की बात पर आमने-सामने आ गए। बुधवारी दशहरा मैदान के पास दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पथराव हुआ। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग अपराध दर्ज कर कुल 10 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रेत कारोबार से जुड़े विवाद में पुलिस की सख्त कार्रवाई जरूरी थी, लेकिन इस मामले में चोटों की स्थिति को देखते हुए हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धारा लगाए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। घटना दो और तीन नवंबर की दरम्यानी रात सीएसईबी चैकी क्षेत्र की है। ढोंढ़ीपारा निवासी राजेन उर्फराजेंद्र दास और काशीनगर निवासी यशवंत कश्यप का गुट रेत के कारोबार से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। सोमवार की रात हसदेव नदी से रेत लेकर अलग-अलग क्षेत्रों में ट्रैक्टरों से परिवहन किया जा रहा था।

15वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बैंड प्रतियोगिता का भव्य समापन

तरुण प्रकाश ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को किया पुरस्कृत

- 12 क्षेत्रीय रेलों एवं रेलवे सुरक्षा बल की विभिन्न इकाइयों के 201 प्रतिभागियों ने लिया प्रतियोगिता में हिस्सा
- पूर्व रेलवे ने बैंड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, बिगुल प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर रेलवे रहा विजेता

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार 15वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) बैंड प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को सौंपी गई थी। इस गौरवपूर्ण आयोजन का संयोजन रेलवे सुरक्षा बल, बिलासपुर मंडल द्वारा किया गया। दिनांक 02 से 04 नवंबर 2026 तक आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में 12 क्षेत्रीय रेलों, जगजीवन राम रेलवे सुरक्षा बल अकादमी (जे.आर.आर.पी.एफ), लखनऊ तथा रेलवे सुरक्षा बल की विभिन्न इकाइयों के कुल 201 बल सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ 03 नवंबर 2026 को रेलवे एन.ई. इंस्टीट्यूट मैदान, बिलासपुर में श्री मुनव्वर खुर्शीद, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, बिलासपुर श्री सौरव कुमार ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के संबोधन एवं प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा के साथ विभिन्न टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय मूल्यांकन के लिए सशस्त्र बलों के अनुभवी अधिकारियों को निर्णायक मंडल में शामिल किया गया था। आज 04 नवंबर 2026 की शाम आयोजित



भव्य समापन समारोह में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री मुनव्वर खुर्शीद, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, उप-महानिरीक्षक-सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त, मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, बिलासपुर सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, स्थानीय पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा रायपुर एवं नागपुर मंडल के अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में मुख्य अतिथि के स्वागत के पश्चात विभिन्न टीमों ने शानदार मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। बैंड की सुमधुर एवं अनुशासित धुनों के साथ प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट वादन कला, तालमेल, अनुशासन और समर्पण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विभिन्न क्षेत्रीय रेलों से आई टीमों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री तरुण प्रकाश ने प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा करते हुए विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे— बैंड प्रतियोगिता- प्रथम स्थान पूर्व रेलवे, कोलकाता, द्वितीय स्थान रेलवे सुरक्षा विशेष बल, नई दिल्ली, तृतीय स्थान दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद बिगुल प्रतियोगिता- प्रथम स्थान पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर, द्वितीय स्थान रेलवे सुरक्षा बल, जगजीवन राम अकादमी, लखनऊ, तृतीय स्थान पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर पाइप बैंड प्रतियोगिता- विजेता रेलवे सुरक्षा विशेष बल, नई दिल्ली मुख्य अतिथि द्वारा निर्णायक मंडल के सदस्यों को भी उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इस अवसर पर महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री मुनव्वर खुर्शीद ने महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

एफएफएस एप से क्यूआर कोड और टोकन जारी कर उर्वरक वितरण शुरू

- किसानों को निर्धारित दर पर जरूरत के अनुरूप मिलेगा उर्वरक, वितरण का रहेगा डिजिटल रिकॉर्ड



बिलासपुर। जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरकों का पारदर्शी, सुगम एवं निर्धारित दर पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस) व्यवस्था के तहत वितरण का शुभारंभ किया गया। बिल्हा विकासखंड के मेसर्स बंसल फर्टिलाइजर्स, सेंदरी में एफएफएस एप के माध्यम से किसानों को क्यूआर कोड एवं टोकन जारी कर उर्वरक प्रदान किया गया। इस अवसर पर ग्राम सेंदरी के किसान श्री सनत कश्यप एवं श्रीमती सरला देवी अग्रवाल को एक-एक बोरी यूरिया तथा सेवा सहकारी समिति सेंदरी से ग्राम मटियारी के श्री विनोद सिंह को एक बोरी डीएपी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में एफएफएस की नोडल अधिकारी एवं सहायक संचालक कृषि श्रीमती दिव्या गौतम, श्री आर.एस. गौतम, जिला मास्टर ट्रेनर श्री पी.के. अनंत तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री उमेश कश्यप उपस्थित थे। कृषि विभाग के उप संचालक श्री एमआर तिग्गा ने बताया कि इस डिजिटल व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी कृषि भूमि के रकबे एवं बोई गई फसल के अनुरूप आवश्यक मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराना है। इससे उर्वरक की मांग, उपलब्धता, निर्धारित दर पर बिक्री एवं वितरण का डिजिटल रिकॉर्ड संधारित होगा। साथ ही कालाबाजारी, अनावश्यक भंडारण एवं अनियमित वितरण पर प्रभावी नियंत्रण में मदद मिलेगी। जिला मास्टर ट्रेनर ने किसानों को एप की जानकारी देकर मौके पर टोकन जारी करने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने जिले में निकला प्रचार रथ....

- विधायक अमर अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- संक्रमण से बचाव, जांच और उपचार की जानकारी पहुंचेगी जन-जन तक



बिलासपुर। एचआईवी/एड्स के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और संक्रमण से बचाव, जांच एवं उपचार की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में सघन जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल ने आज जिला अस्पताल परिसर से प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीमती शुभा गरेवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रचार रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को एचआईवी संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों, समय पर जांच एवं उपलब्ध उपचार सुविधाओं के संबंध में जागरूक करेगा। अभियान के माध्यम से लोगों को एचआईवी संक्रमण से जुड़ी सही जानकारी देने के साथ ही जांच एवं उपचार के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। अभियान का प्रमुख उद्देश्य एचआईवी/एड्स को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना तथा संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव समाप्त करने का संदेश देना है। जागरूकता के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाते हुए स्वस्थ एवं संवेदनशील समाज के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

अवैध शराब रेड के दौरान आबकारी टीम पर हमला दो महिलाएं गिरफ्तार....

कोरबा। ग्राम दशरथभाठा में अवैध महुआ शराब की जब्ती करने पहुंची आबकारी विभाग की टीम के साथ हुज्जतबाजी और मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए आबकारी अधिकारियों और कर्मचारियों से गाली-गलौज की तथा ग्रामीणों को एकत्रित कर टीम को घेरने का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। घटना दो नवंबर की है। आबकारी विभाग को सूचना मिली थी कि ग्राम दशरथभाठा (बैगचुलभाठा), पंचायत पताढी निवासी जीवन उरांव ने घर और बाड़ी में बिक्री के लिए महुआ शराब छिपाकर रखी है। टीम ने मौके पर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 13 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब बरामद हुई। जब्ती के बाद जीवन उरांव को साथ ले जाने की कार्रवाई के दौरान उसकी पत्नी सरस्वती उरांव और रिश्तेदार बुन्दकुंवर उरांव ने विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि दोनों महिलाओं ने आबकारी टीम के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान प्रशिक्षु महिला उपनिरीक्षक शुभांगी तिवारी और आरक्षक रोचक देवांगन के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई। साथ ही शोर मचाकर ग्रामीणों को जुटाने और टीम को घेरने की कोशिश की गई। आबकारी विभाग की शिकायत पर उरगा थाना में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया।

पीएम मोदी की गारंटी, साय सरकार का संकल्प दीपावली पर 4670 परिवारों को पक्के घर की सौगात

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबके लिए आवास' के संकल्प और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता से प्रदेश के शहरी जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर का सपना साकार होने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है। दीपावली के शुभ अवसर पर भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक के अंतर्गत 4670 नए आवासों की स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश के 27 जिलों के 84 नगरीय निकायों में यह मंजूरी दीपावली की सौगात बनकर आई है। इस नवीन स्वीकृति से पूर्व भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक के अंतर्गत 55 हजार 953 हितग्राहियों तथा भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) घटक के अंतर्गत 15 हजार 463 हितग्राहियों के आवास स्वीकृत किए जा चुके थे। इस प्रकार दोनों घटकों में पहले ही कुल 71 हजार 416 आवासों को मंजूरी मिल चुकी थी। अब 4670 नए आवासों की स्वीकृति के साथ बीएलसी घटक में स्वीकृत आवासों की संख्या बढ़कर 60 हजार 623 हो गई है। एएचपी घटक के 15 हजार 463 आवासों को मिलाकर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के इन दोनों घटकों के अंतर्गत अब तक कुल 76 हजार 086 हितग्राहियों के आवासों को भारत सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। संवेदनशीलता के साथ शहरी गरीब परिवारों के लिए इन आवासों की मंजूरी गरीब कल्याण को प्राथमिकता देने वाली डबल इंजन सरकार के संकल्प को रेखांकित करती है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अपने पक्के घर की उम्मीद संजोए हजारों परिवारों के सपनों को नई मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नवीन आवासों की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबके लिए आवास' के संकल्प को छत्तीसगढ़ में तेजी से साकार किया जा रहा है। उन्होंने सभी नए लाभार्थी परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि 4670 नए आवासों की स्वीकृति से हजारों शहरी गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना पूरा होगा। राज्य सरकार हर पात्र परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। दीपावली पर मिली यह सौगात उन परिवारों के लिए विशेष महत्व रखती है, जो अपने घर के आंगन में खुशियों के दीप जलाने का सपना संजोए हुए हैं। आवास की स्वीकृति उनके लिए केवल मकान निर्माण का अवसर नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की दिशा में बढ़ता कदम है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने इस स्वीकृति को नगरीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सभी हितग्राही परिवारों को बधाई दी है। उन्होंने संबंधित सभी 84 नगरीय निकायों को हितग्राहियों के आवास निर्माण में हर संभव सहयोग प्रदान करने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के हर शहरी गरीब को अपना घर मिले, यही राज्य सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के प्रयास, प्रदेश के जरूरतमंद परिवारों के अपने आशियाने की उम्मीद को आगे बढ़ा रहे हैं।

लिंगियाडीह में रेडक्रॉस मेडिकल शॉप एवं प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ

बिलासपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा बिलासपुर द्वारा अपोलो चौक, लिंगियाडीह में नवनिर्मित रेडक्रॉस मेडिकल शॉप एवं प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ किया गया। बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने मुख्य अतिथि के रूप में केंद्र का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने की। इस अवसर पर कलेक्टर एवं रेडक्रॉस सोसायटी के जिला अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एसईसीएल के वित्तीय सहयोग से छात्राओं के मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए प्रोजेक्ट आरोग्य का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं रेडक्रॉस के संस्थापक सर जीन हेनरी ड्यूनांट की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद अतिथियों ने फीता काटकर नवनिर्मित रेडक्रॉस मेडिकल शॉप का विधिवत लोकार्पण किया तथा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का अवलोकन कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। आम नागरिकों को सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराना सराहनीय पहल: विधायक शुक्ला - मुख्य अतिथि विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा जनहित एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को सुलभ एवं किफायती दरों पर दवाइयां उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। इससे विशेष रूप से जरूरतमंद लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने दुर्घटनाओं एवं आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित



सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेडक्रॉस मेडिकल शॉप, लिंगियाडीह में बॉडी फ्रीजर एवं फर्स्ट एड बॉक्स उपलब्ध कराने की बात कही। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने रेडक्रॉस सोसायटी के जनहितकारी कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि लिंगियाडीह में रेडक्रॉस मेडिकल शॉप एवं प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र प्रारंभ होने से क्षेत्र के नागरिकों को सस्ती एवं सुलभ दवाइयां उपलब्ध होंगी। उन्होंने इस पहल के लिए रेडक्रॉस सोसायटी को शुभकामनाएं देते हुए शहर के सभी जोन में ऐसी सुविधाओं का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने रेडक्रॉस सोसायटी की जनकल्याणकारी गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस मानव सेवा की भावना से कार्य करने वाली संस्था है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से रेडक्रॉस सोसायटी से जुड़कर जनसेवा के कार्यों में सहभागिता निभाने की अपील की। प्रोजेक्ट आरूग से छात्राओं को मिलेगी मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की जानकारी - कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा एसईसीएल के वित्तीय सहयोग से प्रारंभ किए जा रहे प्रोजेक्ट आरूग का भी विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने शुभारंभ किया।

तंत्र-मंत्र के शक में श्मशान घाट पर युवक की बेरहमी से पिटाई तीन के खिलाफ कार्रवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में श्मशान घाट पर तंत्र-मंत्र करने के संदेह में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। कोनी थाना क्षेत्र के देवनगर स्थित श्मशान घाट में हुई इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया है। मामले में तीन युवकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, युवक देवनगर के श्मशान घाट में मौजूद था। इसी दौरान वहां पहुंचे कुछ लोगों को उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं। तंत्र-मंत्र किए जाने की आशंका जताते हुए उन्होंने युवक को घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमले में युवक को गंभीर चोटें आई हैं। घटना में उमेश सिंह ठाकुर, राजा यादव और नितेश यादव की संलिप्तता सामने आई है। कोनी थाना पुलिस ने तीनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2), 351(3) और 3(5) के तहत कार्रवाई की है। फ्लिहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घायल युवक का सिम्स अस्पताल में उपचार जारी है।

संपादकीय

अदालत परिसरों में महिला वकीलों के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव

हाल ही में एक याचिका की सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान में दिए गए 'राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों' के तहत जिम्मेदारियों के अलावा साफ-सुथरे शौचालयों तक आम लोगों की पहुँच का अधिकार 'जीवन के अधिकार' का ही हिस्सा है।इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि आम जनता के लिए बुनियादी सुविधाओं का इंतजाम करने का जो काम सरकार को अपने स्तर पर पूरा करना चाहिए, उसके लिए अदालतों को ध्यान दिलाना पड़ता है। कहने को सरकार आए दिन देश भर में स्वच्छता का संदेश देने के लिए हर परिवार के लिए सार्वजनिक शौचालय की सुविधा मुहैया कराने का दावा करती रहती है और इस दिशा में कुछ काम हुए हैं।मगर आज भी हालत यह है कि न केवल सार्वजनिक जगहों पर, बल्कि बहुत सारे स्कूलों और यहाँ तक कि कई अदालतों के परिसरों तक में मौजूद बुनियादी सुविधाएँ बदहाली से दो-चार हैं। इस मामले में महिलाओं को किस स्तर की मुश्किल झेलनी पड़ती है, यह कोई छिपा तथ्य नहीं है।सवाल है कि सरकार के लिए पिछले एक दशक से ज्यादा समय से जो एक प्रमुख मुद्दा रहा है, उस मामले में आज भी दशा क्यों ऐसी है कि अलग-अलग जगहों पर समाज का एक बड़ा तबका साफ सार्वजनिक शौचालयों की कमी का सामना करता है और उसके लिए शीर्ष अदालत के सामने निर्देश जारी करने की नौबत आती है। क्या यह अपनी ही किसी बहुप्रचारित योजना को लेकर सरकार की अगंभीरता का उदाहरण नहीं है?गौरतलब है कि देश भर के अदालत परिसरों में महिला वकीलों के लिए बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख दिखाया है। अदालत ने सभी राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों और उच्च न्यायालयों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में महिला वकीलों के लिए अलग बार-कक्ष और शौचालय सहित आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। ऐसे अनेक मौके होते हैं, जब सरकारें नाहक ही फिजूलखर्ची करती दिखती हैं, लेकिन जनकल्याण के किसी काम का मसला आने पर धन की कमी का रोना रोती हैं।इसी के मद्देनजर शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य सरकारें इसके लिए आवश्यक बजट आवंटित करें और हाई कोर्ट की भवन एवं बुनियादी ढाँचा समितियाँ इन निर्देशों के क्रियान्वयन की निगरानी करें। सवाल है कि क्या यह एक ऐसी समस्या है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने की जरूरत पड़नी चाहिए थी। अगर कई राज्यों में बड़ी संख्या में जिला अदालत परिसरों में महिला वकीलों को अलग शौचालय के अभाव का सामना करना पड़ता है, तो यह किसकी नाकामी है? पिछले कई वर्षों से 'स्वच्छ भारत अभियान' केंद्र सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना रही है, जिसके तहत देश भर में खुले में शौच की समस्या को खत्म करने और सभी परिवारों के लिए शौचालय मुहैया कराने का दावा किया जाता रहा है। मगर दूरदराज के गाँवों में आज भी यह समस्या गाहे-बगाहे चर्चा का कारण बनती रही है। हालत यह है कि दिल्ली जैसे कई शहरों में भी घर से बाहर निकलने के बाद लोगों के लिए अव्वल तो जरूरत के मुताबिक शौचालय खोजना मुश्किल होता है, दूसरे, अगर कहीं यह होता भी है।

नशे की लत सिर्फ व्यक्तिगत समस्या नहीं समाज और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी

नशे के प्रसार के पीछे आर्थिक हितों का प्रश्न भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। एक ओर सरकारें शराब और तंबाकू से राजस्व प्राप्त करती हैं, दूसरी ओर उन्हीं के दुष्परिणामों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता अभियानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों पर खर्च करती हैं। यह विरोधाभास सार्वजनिक नीति की गंभीर चुनौती है। राजस्व को उपलब्धि मानने से पहले यह आकलन होना चाहिए कि नशे के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाला बोझ, कार्यक्षमता में कमी, दुर्घटनाएं, पारिवारिक संकट और अपराध की आशंका समाज से कितनी बड़ी कीमत वसूलते हैं। नशामुक्त समाज के लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा-रोकथाम, उपचार और पुनर्वास। रोकथाम के तहत परिवार, विद्यालय और समुदाय मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जिसमें नशे को प्रतिष्ठा नहीं, जोखिम समझा जाए।

(ज्योति सिडाना)

सरकार का दायित्व नागरिकों को केवल आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना भी है। नशीले पदार्थों से उपजी समस्या को भी इस कसौटी पर गंभीरता से देखने की जरूरत है। इनके वैध कारोबार से मिलने वाले राजस्व का तर्क अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि क्या यह कमाई समाज और अर्थव्यवस्था को नशे के कारण होने वाले नुकसान से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है!

जब किसी पदार्थ का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, विवेक, संबंधों और उत्पादकता को नष्ट करने लगे, तब उसे केवल व्यक्तिगत पसंद मानकर छोड़ देना सरकार और समाज, दोनों का जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने जैसा है। यही नहीं, नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार भी लगातार फैलता जा रहा है, जो खासकर युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है।

नशे की समस्या को समझने के लिए सबसे पहले आदत और लत के बीच का अंतर जानना जरूरी है। आदत को बदला जा सकता है, लेकिन लत व्यक्ति की इच्छाशक्ति, निर्णय क्षमता और दैनिक जीवन को इस हद तक प्रभावित कर सकती है कि उससे बाहर निकलना कठिन हो जाता है। यहां चर्चा मादक पदार्थों, शराब और तंबाकू के सेवन की हो रही है। आधुनिक तंत्रिका विज्ञान नशे की लत को मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में होने वाले बदलावों से जोड़ता है। नशीले पदार्थों के सेवन से मस्तिष्क की प्रणाली प्रभावित होती है और निर्णय लेने तथा आवेगों पर नियंत्रण रखने की क्षमता कमजोर पड़ती है। इसीलिए नशे की लत को केवल चरित्र की कमजोरी या इच्छाशक्ति का अभाव मानना उचित नहीं है। यह ऐसी समस्या है, जिसके लिए उपचार और पुनर्वास की जरूरत होती है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें, तो नशा कई बार व्यक्ति के लिए तनाव, अकेलेपन, अवसाद या पुराने मानसिक आघात से अस्थायी राहत पाने का माध्यम बन जाता है। सवाल यह नहीं कि व्यक्ति नशे की ओर क्यों आकर्षित हुआ, बल्कि यह भी है कि वह किस पीड़ा से बचने की कोशिश कर रहा है। बचपन में हिंसा, उपेक्षा, पारिवारिक कलह और असुरक्षा के अनुभव आगे चलकर नशे के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।



इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे अनुभवों से गुजरने वाला हर व्यक्ति नशे का आदी हो जाएगा, बल्कि यह कि समय रहते भावनात्मक सहारा और उचित सहायता मिलने से जोखिम कम किया जा सकता है। समाजशास्त्रीय दृष्टि से नशे को व्यक्तिगत समस्या तक सीमित नहीं रखा जा सकता। परिवार, मित्र समूह, रोजगार, सामाजिक संबंध और आसपास का वातावरण उसके व्यवहार को प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर, यदि परिवार और मित्रों के बीच नशे को सामान्य व्यवहार या प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है, तो खासकर किशोर और युवा इसे अपनाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। कभी वे परिपक्व दिखने के लिए, कभी साथियों के दबाव में और कभी आत्मविश्वास या ऊर्जा बढ़ाने की गलत धारणा के कारण नशे की शुरुआत करते हैं। इस तरह व्यक्तिगत चुनाव के पीछे सामाजिक परिस्थितियों की भूमिका भी खास होती है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक ब्रूस अलेक्जेंडर के चर्चित 'रैट पार्क' प्रयोग ने इस संबंध में एक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाया। प्रयोग में चूहों के अलगाव और समृद्ध सामाजिक वातावरण के बीच नशीले पदार्थों के सेवन के व्यवहार की तुलना की गई। इससे यह समझने में मदद मिली कि सामाजिक संपर्क और अनुकूल वातावरण नशे के व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। इसी तरह वियतनाम युद्ध के दौरान हेरोइन का सेवन करने वाले अमेरिकी सैनिकों पर किए गए एक अध्ययन में उनमें से ज्यादातर का स्वदेश लौटने के बाद नशे से दूर हो जाना दर्ज किया गया।

इन निष्कर्षों से यह संकेत मिलता है कि नशे की लत को समझने में वातावरण, तनाव और सामाजिक परिस्थितियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि, इससे यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा कि केवल माहौल बदलने से हर व्यक्ति की लत बिना उपचार के छूट सकती है। कई लोगों को चिकित्सकीय सहायता और लंबे समय तक सहयोग की जरूरत होती है। नशे के प्रसार के पीछे आर्थिक हितों का प्रश्न भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। एक ओर सरकारें शराब और तंबाकू से राजस्व प्राप्त करती हैं, दूसरी ओर उन्हीं के दुष्परिणामों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता अभियानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों पर खर्च करती हैं। यह विरोधाभास सार्वजनिक नीति की गंभीर चुनौती है। राजस्व को उपलब्धि मानने से पहले यह आकलन होना चाहिए कि नशे के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाला बोझ, कार्यक्षमता में कमी, दुर्घटनाएं, पारिवारिक संकट और अपराध की आशंका समाज से कितनी बड़ी कीमत वसूलते हैं। किसी पदार्थ से होने वाली आय को उसके सामाजिक नुकसान से अलग करके नहीं देखा जा सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शराब और मनःप्रभावी पदार्थों के सेवन को गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती माना है। इसके बावजूद नशे का आकर्षण कम नहीं हो रहा। फिल्मों, मनोरंजन और सामाजिक आयोजनों में शराब या धूम्रपान को आधुनिकता, सफलता और उत्सव से जोड़कर दिखाने का असर युवाओं पर पड़ सकता है।

नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध को लेकर कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान न करने, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण, नाबालिगों को नशीले पदार्थों से दूर रखना और इनके अवैध कारोबार पर कार्रवाई जैसे कदम तभी प्रभावी होंगे, जब निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो। इस संदर्भ में आइसलैंड का अनुभव उल्लेखनीय है।

वहां किशोरों में नशे की प्रवृत्ति कम करने के लिए परिवारों की भागीदारी, खेलकूद, संगीत और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के अवसर बढ़ाने तथा बच्चों के खाली समय को सकारात्मक दिशा देने पर जोर दिया गया। इस दृष्टिकोण का मूल विचार था कि किशोरों को केवल नशे से दूर रहने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उन्हें ऐसे विकल्प भी चाहिए, जो जीवन में आनंद, अपनापन और उद्देश्य की भावना पैदा करें। भारत में भी खेल के मैदान, पुस्तकालय, सांस्कृतिक केंद्र और परामर्श सेवाएं विशेषकर छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ कराई जानी चाहिए। नशामुक्त समाज के लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा-रोकथाम, उपचार और पुनर्वास। रोकथाम के तहत परिवार, विद्यालय और समुदाय मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जिसमें नशे को प्रतिष्ठा नहीं, जोखिम समझा जाए। उपचार के स्तर पर नशे की लत से जूझ रहे व्यक्ति को अपराधी या नैतिक रूप से कमजोर मानने के बजाय चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। पुनर्वास में रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और पारिवारिक सहयोग की भूमिका सुनिश्चित हो, ताकि उपचार के बाद व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन की ओर लौट सके।

केवल नशा छोड़ने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उसे जीवन में लौटने का अवसर भी देना होगा। नशे के विरुद्ध लड़ाई का उद्देश्य केवल नशीले पदार्थों की खपत घटाना नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों को बदलना भी होना चाहिए, जो व्यक्ति को उनकी ओर धकेलती हैं। सुरक्षित बचपन, सार्थक रोजगार, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं और रचनात्मक गतिविधियां नशामुक्ति की मजबूत नींव बन सकती हैं।

डीजे का खतरा- कानूनन 40 से 55 डेसिबल तक शोर की सीमा, रैलियों-जुलूसों में कई गुना तेज आवाज

(अतुल कनक)

मानव जीवन में उत्सवों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। इनका सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष यह है कि ये व्यक्ति एवं समाज को सकारात्मक ऊर्जा देते हैं और उत्साह का संचार करते हैं। उत्सव वह अवसर होता है, जो हमारे मन से उलझनों के विषाद को हटा दे। प्राचीन काल से उत्सवों का आयोजन प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने, आस्था को अभिव्यक्त करने और परेशानियों को दूर रखकर आनंद की अनुभूति के लिए होता रहा है। धीरे-धीरे उत्सवों से विविध परंपराएँ जुड़ती गईं और नए उत्सवों ने आकार लिया, लेकिन इन खास अवसरों पर खुशी व्यक्त करने के रंग-ढंग वक्त के साथ बदलते गए।

अब उत्सवों पर भव्य आयोजन होने लगे हैं। मन को शीतलता प्रदान करने वाली ध्वनियों की जगह तेज संगीत और पटाखा-अतिशबाजियों के शोर-शराबे ने ले ली है। यहाँ तक कि विवाह समारोहों या धार्मिक कार्यक्रमों में भी तेज आवाज में बजने वाले डीजे अब आम हो गए हैं। मगर इस ओर शायद ही किसी का ध्यान जाता है कि यह शोर ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी नुकसानदेह है।

पिछले दिनों उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में डीजे की तेज आवाज पर जिला प्रशासन की ओर से प्रतिबंध लगा दिया गया। कारण बताया गया कि बदरीनाथ एक शांत क्षेत्र है, लोग वहाँ ध्यान और शांति के लिए जाते हैं। प्राचीन परंपराओं में तो कई धार्मिक स्थलों पर शांति बनाए रखने के लिए क्षेत्र में शंख तक बजाने से परहेज किया जाता था। मगर आज लोग अपनी भक्ति की अभिव्यक्ति के लिए डीजे बजाने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि डीजे की तेज आवाज संबंधित क्षेत्र के शांत वातावरण को ही भंग नहीं करती, बल्कि इससे उत्पन्न तरंगें वहाँ की पारिस्थितिकी पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। तेज ध्वनि मनुष्य को कैसे नुकसान पहुँचा सकती है, इसे समझने के लिए ध्वनि से मानव मस्तिष्क के रिश्ते की बारीकियों पर गौर करना जरूरी है। ध्वनि की तीव्रता को डेसिबल में मापा जाता है। आमतौर पर हम लोग जो आपस में बात करते हैं, उसकी तीव्रता 60 से 70 डेसिबल तक होती है। सत्तर डेसिबल तीव्रता पर होने वाली बात को तो कई बार चीखना-चिल्लाना कहा जाता है। कोई व्यक्ति 85 डेसिबल तीव्रता वाली आवाज के बीच यदि लंबे समय तक रहे, तो उसे चिड़चिड़ाहट होने लगती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 85 डेसिबल से अधिक तीव्रता की आवाज में देर तक रहने पर मनुष्य की सुनने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और 120 डेसिबल तीव्रता की आवाज वाला संगीत जानलेवा भी हो सकता है। इन तथ्यों को जानने के बाद यह समझना किसी के भी मन में भय पैदा कर सकता है कि पारिवारिक या सामाजिक समारोहों में बजने वाले डीजे की आवाज 100 से 130 डेसिबल तक होती है और कई बार तो लोग अति उत्साह में इसे 140 डेसिबल तक कर देते हैं।

पशु-पक्षियों के लिए भी तेज आवाज नुकसानदेह होती है, क्योंकि वे आवाज के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं। जिन घरों में पालतू पशु हैं, उनमें रहने वाले लोग जानते हैं कि तेज आवाज के समय पशु कितने बेचैन और परेशान होते हैं। मनुष्य तो फिर भी तेज आवाज के समय अपने कानों को बंद करने के तरीके अपना सकता है, लेकिन जानवरों के पास यह सुविधा नहीं होती। ऐसे में सवाल है कि हम अपने परिवेश के प्रति इतने असंवेदनशील कैसे हो सकते हैं कि उन प्राणियों की परवाह न करें, जिनका पोषण प्रकृति हमारे साथ करती है? इसके अलावा मनुष्य का स्नायुतंत्र भी तेज आवाज में असहज हो जाता है। तेज शोर के बीच सिर दर्द, चक्कर आना, अचानक घबराहट होना या दिल की धड़कन तेज हो जाना सामान्य बात है। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक, कई बार हमारे हृदय में कुछ अवरोध सुषुप्त अवस्था में होते हैं। तेज आवाज के कारण जब शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है, तो वे अवरोध अचानक मुखर हो जाते हैं। ऐसे शोर का सामना करने के लिए शरीर कुछ ऐसी प्रतिक्रिया देता है कि रक्तचाप में भी आकस्मिक परिवर्तन हो जाता है। यह महज इत्तिफाक नहीं है कि पारिवारिक और सामाजिक समारोहों में अब शोर-शराबे के बीच कई लोगों की अचानक जान चली जाती है।

पिछले दिनों गणपति विसर्जन के दौरान भी देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे हादसे हुए, जिस कारण संवेदनशील लोग डीजे के नियंत्रित उपयोग के नियम बनाने की माँग करने लगे हैं। गत दिनों उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक स्कूल में बारह वर्षीय बालिका अचानक गश खाकर गिरी और उसकी मौत हो गई। आरोप है कि उस समय स्कूल के पास से तेज आवाज में डीजे बजाता हुआ एक जुलूस निकल रहा था। ऐसे ही मध्य प्रदेश के भोपाल में पिछले साल तेरह वर्षीय बालक अपने घर में खेल रहा था। डीजे बजाता हुआ एक जुलूस उसके घर के पास से निकला, तो वह उसे देखने चला गया, जहाँ अचानक उसकी मौत हो गई। ऐसी ही कई घटनाएँ दूसरे राज्यों में भी सामने आई हैं। जुलूसों में बजने वाले तेज डीजे पर पिछले दिनों बंबई उच्च न्यायालय ने गहरी चिंता जताई थी।

डिस्को के दौर में जब तेज आवाज के संगीत के प्रति दुनिया का रुझान बढ़ा, तो डीजे भी लोकप्रिय हुआ। भारत में डीजे की शुरुआत 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध से मानी जा सकती है, लेकिन पिछले करीब दो दशकों में आवाज बढ़ाने वाले स्पीकर को वाहनों पर रखकर संगीत बजाने का सिलसिला जोर पकड़ रहा है। तेज आवाज से ध्वनि प्रदूषण होता है और डीजे की आवाज भी ध्वनि प्रदूषण (नियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 से नियंत्रित होती है। डीजे को बजाने के लिए प्रशासन की स्वीकृति आवश्यक होती है।

चीन को लगे 40 साल, पीएम मोदी ने 12 साल में कर दिखाया, 49.6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठाया

तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था। वहीं भारत ने विश्व बैंक के अक्टूबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, 2011 से 2023 के बीच महज 12 वर्षों में 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर पहुंचाया। अत्यंत गरीबी का अनुपात भी इसी अवधि में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गया। चीन की चार दशक लंबी यात्रा के मुकाबले भारत की 12 वर्षों की यह उपलब्धि अपने आप में असाधारण है।

(नीरज कुमार दुबे)

विश्व बैंक की पोवेर्टी एण्ड इक्यूटी ब्रिफ अक्टूबर 2026 के मुताबिक, भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया।

बचपन में घोर गरीबी को बेहद करीब से देखने वाले और जीवनयापन के लिए रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी ने जब देश के प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली, तो उनके सामने भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक थी गरीबी। करोड़ों लोगों के पास न पक्का मकान था, न बैंक खाता, न शौचालय, न रसोई गैस और न ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों को सरकारी योजनाओं के केंद्र में रखते हुए गरीबी के अभिशाप से देश को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया। अब इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं जिसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी मान रही हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की ताजा रिपोर्ट भारत की इसी परिवर्तनकारी यात्रा पर वैश्विक मुहर लगा रही है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट 49.6 करोड़ लोगों की जिंदगी में बदलाव : विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। इससे भी महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अत्यंत गरीबी में रहने वाली आबादी का अनुपात 2011 के 27.1 प्रतिशत से घटकर 2023 में महज 2.6 प्रतिशत रह गया। विश्व बैंक ने भारत की इस प्रगति को दुनिया में गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में से एक बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती रोजगार भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



गरीबी के खिलाफ मोदी सरकार की रणनीति : देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीतियों का एक महत्वपूर्ण आधार रहा है कि गरीबों को केवल आर्थिक सहायता देने के बजाय उन्हें बुनियादी सुविधाओं और वित्तीय व्यवस्था से जोड़ा जाए। जनधन योजना के जरिए करोड़ों बैंक खाते खुले। आधार और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर ने सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने का रास्ता मजबूत किया। उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने गरीब परिवारों के जीवन स्तर को प्रभावित किया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को खाद्य सुरक्षा मिली। इसके साथ ही मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के जरिए रोजगार, उद्यमिता और विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने का प्रयास हुआ।

वैश्विक संकट में भी भारत की आर्थिक मजबूती : साथ ही कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई और वैश्विक व्यापारिक तनाव के बीच भारत ने अपनी आर्थिक विकास गति बनाए रखने की कोशिश की है। बुनियादी ढांचे पर सरकारी निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, घरेलू उपभोग और मजबूत बैंकिंग व्यवस्था ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया। भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की क्षमता ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को भी अधिक प्रभावी बनाया है।

क्या दुनिया में किसी नेता ने इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की है? : यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या दुनिया के किसी दूसरे नेता ने नरेंद्र मोदी जैसी आर्थिक उपलब्धि इतने कम समय में हासिल की है? तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था। वहीं भारत ने विश्व बैंक के अक्टूबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, 2011 से 2023 के बीच महज 12 वर्षों में 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर पहुंचाया। अत्यंत गरीबी का अनुपात भी इसी अवधि में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गया। चीन की चार दशक लंबी यात्रा के मुकाबले भारत की 12 वर्षों की यह उपलब्धि अपने आप में असाधारण है।इस उपलब्धि का राजनीतिक और नीतिगत महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इस अवधि के अधिकांश वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते हैं। 2014 में सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने गरीबों के बैंक खाते खोलने, सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाने, मुफ्त राशन, आवास, रसोई गैस, स्वास्थ्य बीमा, स्वच्छता और ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। जनधन-आधार-डीबीटी की व्यवस्था से लेकर गरीब कल्याण योजनाओं तक, इन नीतिगत पहलों ने गरीबी के खिलाफ अभिय को व्यापक आधार दिया। इसलिए 2014 के बाद लागू और विस्तारित इन नीतियों को इस ऐतिहासिक बदलाव का एक महत्वपूर्ण नीतिगत श्रेय निश्चित रूप से दिया जाना चाहिए।

अभी बाकी है आर्थिक लड़ाई: साथ ही विश्व बैंक ने रोजगार की गुणवत्ता, युवाओं की बेरोजगारी और क्षेत्रीय असमानता को लेकर भी चिंता जताई है। देश की लगभग 57 प्रतिशत गरीब आबादी उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल तक फैले राज्यों के एक क्षेत्र में केंद्रित है। 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ की वृद्धि हुई, जिसमें ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। लेकिन युवाओं के लिए बेहतर और उत्पादक रोजगार उपलब्ध कराना अभी बड़ी चुनौती है। विश्व बैंक के अनुमान के मुताबिक, 4.20 डॉलर वाली गरीबी रेखा पर गरीबी की दर 2026 के 14.2 प्रतिशत से घटकर 2028 तक 12.1 प्रतिशत हो सकती है।

बहरहाल, भारत की यह यात्रा केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में आए बदलाव की कहानी है। रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने से लेकर देश के प्रधानमंत्री बनने तक का सफर तय करने वाले नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबी के खिलाफ चलाए गए अभियान ने महत्वपूर्ण परिणाम दिए हैं। अब चुनौती इस उपलब्धि को स्थायी आर्थिक समृद्धि में बदलने की है, ताकि गरीबी से बाहर आए परिवार दोबारा अभाव के अंधेरे में न लौटें और भारत विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य की ओर मजबूती से बढ़ सके। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

रणबीर में दिखे मर्यादा पुरुषोत्तम राम

यश के रावण का रौद्र रूप भी छाया

रामायण भारतीय जनमानस में सिर्फ एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आस्था, संस्कार और जीवन के आदर्शों का प्रतीक है। इस पर कई फिल्में और धारावाहिक बन चुके हैं। रामानंद सागर की 'रामायण' ने जो लोकप्रियता हासिल की, वह आज भी बेमिसाल है। उसके बाद कई प्रयास हुए, लेकिन कोई उस जादू को दोहरा नहीं सका। 'आदिपुरुष' जैसी फिल्म ने तो दर्शकों को निराश ही किया।



दरअसल, रामायण की कहानी दर्शकों को पहले से पता है। वे इसके हर पात्र और प्रसंग को अपनी स्मृतियों में संजोए हुए हैं। ऐसे में छोटी-सी चूक भी उन्हें खटकती है। इस कहानी पर फिल्म बनाना सचमुच रस्सी पर चलने जैसा है, जहां जरा-सा संतुलन बिगड़ा नहीं कि सारी मेहनत पर पानी फिर सकता है। निर्देशक नितेश तिवारी इसी चुनौती को स्वीकार करते हुए 'रामायण' लेकर आए हैं। फिल्म का पहला भाग रिलीज हुआ है। उन्होंने सदियों पुरानी कथा को आधुनिक फिल्म निर्माण तकनीक और भव्य सिनेमाई अनुभव के साथ पेश किया है। अच्छी बात यह है कि तकनीक की चकाचौंध कहानी के मूल भाव पर हावी नहीं होती। रामायण की पहचान श्रीराम की सौम्यता, मर्यादा, गरिमा और वीरता से है। नितेश इन गुणों को पर्दे पर कायम रखने में काफी हद तक सफल रहे हैं। फिल्म की शुरुआत देवताओं और असुरों के बीच युद्ध से होती है। पराजित असुर रसातल में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। इसी माहौल में रावण की मां उसे झकझोरती है कि वह अपने कुल की स्थिति बदले। इसके बाद दशानन की तपस्या, ब्रह्मा से वरदान हासिल करना और तीनों लोकों का स्वामी बनने तक का सफर दिखाया गया है। फिल्म के शुरुआती करीब आधे घंटे रावण के व्यक्तित्व और उसके साम्राज्य को स्थापित करने में लगाए गए हैं। इसके बाद कहानी अयोध्या पहुंचती है और एक के बाद एक यादगार प्रसंग सामने आने लगते हैं। ताड़का वध में श्रीराम की वीरता दिखाई देती है तो सीता स्वयंवर में धनुष उठाने वाला प्रसंग उनके पराक्रम का परिचय देता है। राम और सीता की पहली मुलाकात में प्रेम की कोमलता है। परशुराम से सामना यह संकेत देता है कि भगवान विष्णु का अवतार अपने उद्देश्य की ओर बढ़ चुका है।

विदेश में बजेगा विजय सेतुपति का डंका



साउथ एक्टर विजय सेतुपति अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उनके अंदाज को फैंस काफी पसंद करते हैं। वहीं, अब विजय सेतुपति के नाम एक बड़ी उपलब्धि लगने वाली है। तमिल फिल्मों के मशहूर अभिनेता विजय सेतुपति 23 नवंबर को न्यूयॉर्क में होने वाले 54वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में प्रेजेंटर के तौर पर चुना गया है। THR India को मिली जानकारी के मुताबिक, विजय सेतुपति इस प्रतिष्ठित समारोह में अवॉर्ड देने वाले पहले भारतीय बनेंगे।

वीर दास बन चुके हैं होस्ट

विजय सेतुपति की यह उपलब्धि ग्लोबल एंटरटेनमेंट की दुनिया में भारतीय कलाकारों की बढ़ती पहचान को दिखाती है. उन्हें इस बड़े मंच तक पहुंचाने में इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज की बोर्ड मेंबर और प्रोड्यूसर कविता गुप्ता की अहम भूमिका है. कविता गुप्ता लगातार भारतीय कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय मंचों और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़े बड़े नेटवर्क तक पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं. विजय सेतुपति से पहले एक्टर वीर दास इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में होस्ट बने थे. इसमें भी कविता गुप्ता ने अहम भूमिका निभाई थी। विजय सेतुपति को आखिरी बार फिल्म 'बाथा' में देखा गया था।

क्रिसमस पर अल्लू अर्जुन मचाएंगे असली धमाल!

अबतक अल्लू अर्जुन ने 'पुष्पाराज' बनकर खूब दिल जीता है। लेकिन अब बारी एकदम अलग लुक और फिल्म की है, जो है 'राका'। इस पिक्चर को एटली बना रहे हैं, वहीं सन पिक्चर्स वाले इस फिल्म पर पैसा लगा रहे हैं। जबकि, अल्लू अर्जुन के अपोजिट दीपिका पादुकोण बतौर फीमेल लीड काम कर रही हैं। जिन्हें लेकर चर्चा है कि एक्ट्रेस अपना काम प्रेग्नेंसी के वक्त लगभग कंप्लीट कर चुकी हैं।



अब अगर कुछ पार्ट बचा भी होगा, तो उसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि, फैन्स को इंतजार है किसी टीजर या न्य ग्लिम्प्स का। क्योंकि अल्लू अर्जुन के बर्थडे के बाद से कोई नया पोस्टर सामने नहीं आया है। अब नए अपडेट में क्या है? अल्लू अर्जुन, एटली के साथ मिलकर 'राका' पर काम कर रहे हैं। जो अब तक की सबसे बड़ी इंडियन फिल्मों में से एक है। मेकर्स जल्द से जल्द इसकी शूटिंग पूरी करना चाहते हैं। अल्लू अर्जुन के बर्थडे पर एक वीडियो टीजर रिलीज करने की प्लानिंग थी। लेकिन इसे टाल दिया गया। अब टीम क्रिसमस के मौके पर इसकी एक झलक दिखाने का प्लान बन रहा है। और जल्द ही इसका ऑफिशियल ऐलान होगा। हाल ही में तेलुगु 360 डॉट कॉम पर एक रिपोर्ट छपी। जिससे पता लगा कि मुंबई में बिना किसी ब्रेक के Raaka की शूटिंग चल रही है। दीपिका पादुकोण ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। जबकि जान्हवी कपूर, रश्मिका मंदाना और मृणाल ठाकुर भी इसमें अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। हालांकि, शूटिंग इस साल के आखिर तक पूरी करने की प्लानिंग थी। लेकिन अब इसे मार्च 2027 तक के लिए टाल दिया गया है।अल्लू अर्जुन इस फिल्म से फ्री हो जाएंगे और एटली पोस्ट-प्रोडक्शन के काम पर ध्यान देंगे।

अभिनेता नहीं स्क्रिप्ट देख करती हूं फिल्में : सैयामी खेर

हाल ही में अपने फिल्मी सफर के 10 साल पूरे होने पर एक्ट्रेस सैयामी खेर ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही दो बड़ी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए थे, क्योंकि उनके लिए अभिनेता या निर्देशक से ज्यादा स्क्रिप्ट मायने रखती है। सैयामी खेर ने बताया कि मिर्जया की रिलीज से पहले ही उन्हें ये बड़ी फिल्में ऑफर हुई थीं, लेकिन उन्होंने दोनों ही प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया।

एक्ट्रेस ने कहा कि उस वक्त वह इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थीं, और इसके बावजूद उन्हें वो रोल्स ठुकराने में कोई मुश्किल नहीं हुई। उनका कहना था कि उन्हें फिल्म के बारे में सिर्फ इतना बताया गया था कि हीरो के साथ 2 सीन करने हैं, उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट तक ऑफर नहीं की गई थी, जिसकी वजह से उन्हें ये ऑफर रिजेक्ट करने में कोई खास मुश्किल नहीं हुई। यह फैसला उनके सिद्धांत को दर्शाता है कि वह बड़े बजट की फिल्मों में छोटे हिस्से करने के बजाय छोटी फिल्म में बड़ा और अहम किरदार करना पसंद करती हैं, जहां स्क्रीन टाइम से ज्यादा किरदार की गहराई मायने रखती है। सैयामी खेर का फिल्म इंडस्ट्री से पुराना नाता रहा है; उनकी दादी उषा किरण मराठी इंडस्ट्री की दिग्गज एक्ट्रेस थीं और वह दिग्गज एक्ट्रेस तन्वी आजमी की रिश्तेदार हैं।



हालांकि, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाना उनके लिए भी आसान नहीं रहा। सैयामी ने बताया कि करियर में आगे बढ़ने के लिए लोग उन्हें किसी अभिनेता या निर्देशक को डेट करने की सलाह देते थे, और यहां तक कि उन्हें लिप जॉब कराने की सलाह भी दी जाती थी। इन चुनौतियों के बावजूद, सैयामी अपने दृढ़ संकल्प पर अडिग रहीं और उन्होंने अपनी प्रतिभा और पसंद के साथ कोई समझौता नहीं किया। एक्ट्रेस ने मेल को-स्टार्स की असुरक्षा पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि कुछ बड़े सितारे अपने सामने मौजूद एक्ट्रेस को रिएक्शन देने का भी पर्याप्त समय नहीं देते हैं, जिससे अभिनय पर असर पड़ता है।

धान की गहाई कराने पिता धर्मेंद्र के फार्महाउस पहुंचे सनी देओल



सनी देओल अपने पिता धर्मेंद्र और परिवार के बेहद करीब रहे हैं और वो ये बात हमेशा से जाहिर भी करते आए हैं। सोशल मीडिया पर भी वह अक्सर अपने पिता को लेकर अपना प्यार और सम्मान जाहिर करते रहते हैं। हाल ही में सनी देओल अपने बेटे राजवीर देओल के साथ अपने दिवंगत पिता से जुड़ी एक खास जगह पहुंचे, जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर भी शेयर की है। सनी बेटे राजवीर के साथ लोनावला में अपने पिता धर्मेंद्र के फार्महाउस पहुंचे, जिसका वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने एक भावुक नोट भी लिखा और बताया कि उन्हें अपने पिता की याद आ रही है। सनी देओल ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें उन्हें किसानों को खेतों में काम करते हुए देखा जा सकता है। किसान खेत में धान की गहाई करते नजर आए। वे सूखी फसलों के गट्ठर उठाकर पारंपरिक तरीके से अनाज निकालने के लिए उन्हें एक ड्रम पर पीटते दिखे। कुछ पलों बाद वीडियो सनी देओल और उनके बेटे राजवीर नजर आते हैं, जो फार्महाउस पर अपने बेटे के साथ कुछ निजी पल बिताते हुए नजर आते हैं। राजवीर को पूरा फार्म दिखाते हुए सनी कहते हैं, 'पापा का फार्म। तुम्हारे लिए 'बड़े पापा' का फार्म।' वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मिस यू पापा।' और साथ में कई लाल दिल वाले इमोजी भी लगाए।

साजिद खान ने खोला दिलचस्प राज



सलमान खान ने हाल ही में रिलीज हुए फिल्म 'मातृभूमि' के गाने "तेरी सेक्सी ब्यूटी" को अपनी आवाज दी है। बता दे कि इस गाने में उनके साथ चित्रांगदा सिंह स्क्रीन शेयर करती नजर आ रही हैं। इस ट्रैक में सलमान खान की आवाज और चित्रांगदा का ग्लैमर एक साथ उनकी रिफ्रेशिंग केमिस्ट्री के जरिए दिल जीत रहा है। जब बात फैंस को सरप्राइज देने की आती है तो सलमान खान से बेहतर यह काम कोई नहीं कर सकता। सुपरस्टार ने अपने नए ट्रैक के लिए माइक पकड़ कर एक बार फिर से इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। लेकिन, आपको बता दे कि जितना एक्साइटिंग यह गाना है, उतना ही मजेदार इसे बनाने की कहानी है।

फीचर

आज का राशिफल



मेष राशि - मेष राशि के जातक आज धार्मिक कार्यों में सहभागी बनेंगे। आपको कार्यक्षेत्र के साथ घरेलू व्यवस्था को बनाए रखने के लिए काफी परिश्रम करना होगा। दोपहर तक पैसा कमाने की चाहत में आप काफी व्यस्त और उलझन में रहेंगे। आपको धन लाभ तो होगा, लेकिन वह तुरंत ही अनावश्यक कार्यों में खर्च भी हो जाएगा।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के लिए सितारे कहते हैं कि आज कुछ रोचक घटनाएं होंगी जो आपको आनंदित करेंगी। सितारे यह भी कहते हैं कि आज दिन का पहला भाग आपके लिए लाभ और नई संभावनाएं लेकर आएगा। ऐसे में आपको कल काम के प्रति गंभीर रहना होगा। किसी परिचित से अनपेक्षित समाचार मिलेगा जिससे हैरान भी होंगे और सोच-विचार में भी उलझेंगे।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों को आज दिन के पहले भाग में लाभ के कई अवसर प्राप्त होंगे। लेकिन अगर आप उलझन और मानसिक दुविधा से निकलने की कोशिश नहीं करेंगे तो अवसर का पूरा लाभ नहीं ले पाएंगे। सितारे इस स्थिति में हैं कि आप अपने कार्य-व्यवसाय में प्रगति से आनंदित होंगे। दोपहर के बाद का समय कुछ रिलैक्स वाला रहेगा।

कर्क राशि - आज दिन का प्रारंभिक भाग असमंजस के कारण प्रभावित होगा और आपके काम की गति धीमी रहेगी। आप जो करना चाहते हैं, माहौल उसके विपरीत महसूस होगा, लेकिन धैर्य रखें दोपहर के बाद से समस्या से राहत पाएंगे और स्थिति कुछ अनुकूल होने लगेगी।

सिंह राशि - आज सिंह राशि वालों को दोपहर तक धैर्य और शांति से काम लेने की जरूरत है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। व्यावसायिक कारणों से कल मानसिक बेचैनी रहेगी। घरेलू उलझनों के कारण आपको अधिक दबाव में काम करना पड़ेगा। दिन के आरंभ में परिवार के सदस्यों के साथ कहासुनी हो सकती है।

कन्या राशि - कन्या राशि के लिए आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। दिन के पहले भाग में कल जो भी मेहनत करेंगे, उसका लाभ आपको आने वाले दिनों में मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कल बेहद संयम और सतर्कता के साथ चलना होगा नहीं तो आपकी छोटी सी गलती आपके लिए परेशानी का सबब बन जाएगी।

तुला राशि- आज का दिन तुला राशि के लिए उत्साहजनक रहेगा। आप काम के प्रति उदासीनता दिखाएंगे लेकिन भाग्य आपको सही मौके पर सही निर्णय लेने में मदद करेगा जिससे आपको अपेक्षा से बढ़कर लाभ मिलेगा। आज आप वास्तविकता को छोड़कर काल्पनिक दुनिया में भी खोए रहेंगे जिससे आपकी रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन लाभप्रद है। लेकिन आपके लिए सलाह है कि आप वाणी पर कल संयम रखें और व्यावहारिकता से काम लें। महत्वपूर्ण कार्यों को दोपहर से पहले पूरा करने का प्रयास करें। सरकारी क्षेत्र के काम कल बन सकते हैं, प्रयास करें।

धनु राशि- आज दिन के मध्य तक आप कोई भी महत्वपूर्ण आर्थिक फैसला न लें, नुकसान हो सकता है। आपका दैनिक जीवन अधिक अस्त-व्यस्त रहेगा, मन में नकारात्मक भावनाएं आएंगी और आप काम के प्रति लापरवाह भी रह सकते हैं। परिवार के सदस्य या सहकर्मी आपको सही सलाह देंगे लेकिन मतिभ्रम के कारण वह आपको गलत लग सकती है,जिससे नुकसान होगा।

मकर राशि - आज आप धन संबंधी कार्यों को छोड़कर अन्य सभी कार्यों में सम्मान के पात्र बनेंगे। दिन की शुरुआत से लेकर अंत तक आर्थिक परेशानियां किसी रूप में आपको परेशान करती रहेंगी। समय पर काम पूरा करने के बाद भी आपको अपेक्षित सफलता नहीं मिलने का अहसास हो सकता है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रूप से बेहतर रहेगा। बीमार जातकों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कामकाज को लेकर पूरे दिन मानसिक चिंता रह सकती है, किसी न किसी कारण से कारोबार में धन संबंधी मामले अटक सकते हैं।

मीन राशि-आपकी दिनचर्या थोड़ी अस्त-व्यस्त रहेगी। दिन की शुरुआत में आपको शारीरिक कमजोरी और सुस्ती का अनुभव होगा, जिसके कारण दैनिक कार्यों में देरी हो सकती है। नौकरीपेशा लोग कल किसी दुविधा में फंसे रह सकते हैं।

दिवाली पर रंगोली और स्वस्तिक बनाने की परंपरा कहां से आई?

जानें शुभ चिह्नों का धार्मिक महत्व

रोशनी और खुशियों का पावन त्योहार दिवाली इस साल 8 नवंबर 2026, रविवार को पूरे देश में बहुत धूम-धाम के साथ मनाया जाएगा। इस खास रात को केवल घरों में दीप ही नहीं जलाए जाते, बल्कि दीपावली पर घर के प्रवेश द्वार पर रंगोली सजाना और मुख्य द्वार पर स्वस्तिक बनाना केवल सजावट नहीं, बल्कि शास्त्रों में वर्णित समृद्धि और नकारात्मकता के निवारण का मुख्य आधार है। जब लोग अपने घर को इन पावन और शुभ चिह्नों से सजाते हैं, तो माता लक्ष्मी का आशीर्वाद सीधे परिवार पर बरसता है। इस प्राचीन परंपरा का पालन करने से पूरे साल घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और हर संकट दूर हो जाता है।

रंगोली शब्द संस्कृत के 'रंगावली' यानी रंगों की पंक्ति से बना है। प्राचीन मान्यता के अनुसार, माता लक्ष्मी का आगमन स्वच्छ, सुसज्जित और सुंदर स्थानों पर ही होता है। जब कोई अपने घर के आंगन या मुख्य द्वार पर सुंदर रंगों से आलेखन तैयार करता है, तो वह स्थान बहुत पवित्र हो जाता है। मां लक्ष्मी ऐसे सजे-धजे और साफ घरों में प्रवेश करती हैं और वहां कभी भी धन-धान्य की कोई कमी नहीं होने देतीं। लोग सदियों से इस प्यारी परंपरा को निभाते आ रहे हैं ताकि उनका पूरा घर हमेशा रोशनी और रंगों से जगमगाता रहे। इस छोटी सी कला से जीवन के सारे दुख और अंधेरे अपने आप दूर हो जाते हैं।



रंगोली से वास्तुदोष और नकारात्मकता का निवारण

घर के द्वार पर बनाई गई रंगोली वास्तुदोष को दूर करती है तथा सकारात्मक ऊर्जा और देव शक्तियों को गृह-प्रवेश का निमंत्रण देती है. जब मुख्य द्वार पर सुंदर रंग बिखेरे जाते हैं, तो वहां की पूरी ऊर्जा बदल जाती है और घर में एक अद्भुत शांति का अहसास होता है। यह परंपरा केवल देखने में ही अच्छी नहीं लगती, बल्कि इसके पीछे बहुत गहरे और सकारात्मक प्रभाव छिपे होते हैं जो घर के हर सदस्य की रक्षा करते हैं। किसी भी बुरी नजर या बाधा को रोकने के लिए यह प्राचीन तरीका बहुत असरदार माना गया है। परिवार के सभी लोग मिलकर जब इस कला को दरवाजे पर उतारते हैं, तो आपसी प्यार और विश्वास भी बहुत अधिक मजबूत हो जाता है।

रंगोली शब्द का अर्थ और माता लक्ष्मी के आगमन



कार्तिक अमावस्या की रात उल्लू ने कैसे जीता मां लक्ष्मी का दिल?

अंधेरे में उल्लू की पहचान

कार्तिक अमावस्या की रात चारों तरफ घना अंधेरा था। जब माता लक्ष्मी पृथ्वी पर आईं, तो उल्लू ने अपनी तेज और विलक्षण नजरों से उस अंधेरे में भी माता लक्ष्मी को देख लिया।

हिंदू धर्म में हर देवी-देवता के अपने-अपने वाहन होते हैं, जिनके पीछे कोई खास वजह छिपी होती है। जिस तरह भगवान शिव का वाहन नंदी है, भगवान विष्णु का वाहन गरुड़, देवी दुर्गा का वाहन शेर और गणेश जी का वाहन चूहा है, ठीक उसी तरह माता लक्ष्मी का वाहन उल्लू है। कई धार्मिक चित्रों में कमल के फूल के अलावा माता लक्ष्मी को उल्लू पर सवार दिखाया गया है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर धन की देवी ने उल्लू को ही अपना वाहन क्यों चुना? आइए जानते हैं।

उल्लू को हिंदू धर्म में बहुत भाग्यशाली और शुभ माना जाता है। माता लक्ष्मी का वाहन होने के चलते इसके दर्शन होना भी काफी लाभदायक होता है। इसका छत पर आना या सपने में देखाई देना किसी अच्छी खबर की ओर इशारा करता है। लेकिन इतने सारे पशु-पक्षी में माता लक्ष्मी ने सिर्फ उल्लू को ही अपना वाहन क्यों बनाया? इसके पीछे एक पौराणिक कथा छिपी है।

लक्ष्मी जी का वाहन उल्लू कैसे बना था?

माता लक्ष्मी की सवारी उल्लू है। इन्हें 'उलूक वाहिनी' भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी का वाहन (सवारी) उल्लू बनने के पीछे एक रोचक कथा छिपी है –

वाहन के लिए होड़

सृष्टि की रचना के बाद जब सभी देवी-देवता पृथ्वी पर आए, तो पशु-पक्षियों में उन्हें अपना वाहन बनाने की होड़ मच गई और वे आपस में लड़ने लगे।



माता लक्ष्मी का फैसला :- मां लक्ष्मी ने सभी को शांत किया और कहा कि वे हर साल कार्तिक मास की अमावस्या (दीवाली की रात) के दिन पृथ्वी पर विचरण करने आती हैं और उसी रात वे अपने वाहन का चुनाव करेंगी।

वाहन स्वीकार करना

उल्लू तुरंत तीव्र गति से माता लक्ष्मी के पास पहुंचा और उनसे प्रार्थना की कि वो उसे अपना वाहन स्वीकार करें। वहां अन्य कोई पशु-पक्षी न देखकर माता लक्ष्मी ने उल्लू को अपना वाहन चुन लिया। तभी से मां लक्ष्मी को 'उलूक वाहिनी' भी कहा जाता है।

उल्लू से जुड़ी मान्यताएं

बुद्धि और विवेक का प्रतीक : उल्लू को एक शांत, बुद्धिमान और समझदार पक्षी माना जाता है। यह इस बात का प्रतीक है कि धन के साथ व्यक्ति के पास सही विवेक और ज्ञान होना जरूरी है।

अंधकार में देखने की क्षमता

जिस तरह उल्लू को रात के अंधेरे में भी साफ दिखाई देता है, उसी तरह सच्चे ज्ञानी और धनवान व्यक्ति को अज्ञानता या संकट के अंधकार में भी सही मार्ग की समझ होनी चाहिए।

धन का सही उपयोग

उल्लू का स्वभाव ये सिखाता है कि धन का प्रदर्शन करने के बजाय उसकी रक्षा और उसका सही, विवेकपूर्ण उपयोग किया जाना चाहिए।

घर की दावतों में बढ़ रहा फूड डिलीवरी का चलन

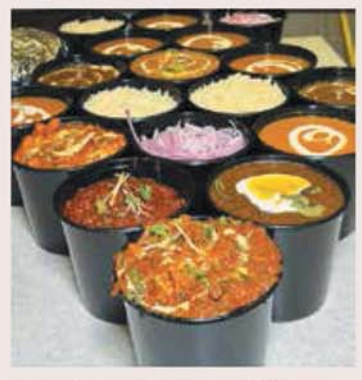

रेस्तरां से खाना मंगवाना अब सिर्फ समय बचाने या सुविधा का साधन नहीं रह गया है। घर पर दोस्तों और परिवार की मेजबानी के दौरान लोग अब प्रीमियम रेस्तरां से भोजन मंगवाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश के फूड सर्विस बाजार में ऑनलाइन डिलीवरी की हिस्सेदारी फिलहाल लगभग 11 प्रतिशत है, जिसके अगले पांच वर्षों में बढ़कर करीब 20 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है।

प्रीमियम रेस्तरां अब डिलीवरी मेन्यू को विशेष रूप से डिजाइन कर रहे हैं। रोटी और नान का कुरकुरापन बनाए रखने, पास्ता के डिब्बे में अधिक पकने से रोकने और सॉस को अलग से पैक करने जैसी बारीकियों पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही, त्वरित डिलीवरी के बजाय तय समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। इस्सर ने आगे कहा, "पहले हम अपने रेस्तरां के दरवाजे पर खड़े होकर मेहमानों का स्वागत करते थे। अब वह दरवाजा शहर के किसी भी कोने में स्थित ग्राहक का घर हो सकता है। वहां जो भी भोजन पहुंचे, उसमें हमारी पहचान और स्वाद स्पष्ट रूप से झलकना चाहिए। ग्राहक चाहे रेस्तरां में बैठकर खाए या घर पर, उसे हर जगह एक समान और उत्कृष्ट अनुभव देना ही प्रीमियम रेस्तरां के लिए सबसे बड़ा अवसर है।"

उद्योग में आ रहे इस बदलाव पर प्रकाश डालते हुए बेलोना हॉस्पिटैलिटी के प्रबंध निदेशक और 'ईशारा' के संस्थापक प्रशांत इस्सर ने कहा कि रेस्तरां को डिलीवरी को सिर्फ बिक्री का जरिया मानने के बजाय अपनी मेहमाननवाजी का विस्तार समझना चाहिए। प्रशांत इस्सर ने कहा, "जब कोई परिवार या दोस्तों के साथ डिनर के लिए कई डिश ऑर्डर करता है, तो वह केवल खाना नहीं मंगवाता, बल्कि मेजबानी कर रहा होता है। उस शाम के लिए उसने हमारी रसोई उधार ली होती है। इसलिए अब सवाल केवल यह नहीं है कि खाना कैसे पहुंचे, बल्कि यह है कि हम उस मेजबान को बेहतरीन अनुभव देने में कैसे मदद कर सकते हैं। खाना सही स्थिति में, तय समय पर पहुंचे और उसमें रेस्तरां की गुणवत्ता बरकरार रहे, यही हमारी प्राथमिकता है।"

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने बढ़ाई सैन्य ताकत; स्वदेशी मिसाइल फाज का सफल परीक्षण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने स्वदेशी रूप से विकसित तथा हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल फाज का सफल उड़ान परीक्षण किया। यह जानकारी पाकिस्तानी सेना ने दी। पाकिस्तानी सेना की ओर से मंगलवार देर रात जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को किया गया। उसने कहा कि इससे पाकिस्तान वायुसेना की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। बयान में कहा गया है, ऊअत्याधुनिक टर्मिनल गाइडेंस सिस्टम से लैस यह मिसाइल लंबी दूरी पर दुश्मन के हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने इस उपलब्धि पर वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी।

भारत के नए राजदूत सुधाकर दलेला ने संभाला कार्यभार, नवीन श्रीवास्तव की ली जगह

काठमांडु , एजेंसी। नेपाल में भारत के नवनियुक्त राजदूत सुधाकर दलेला ने मंगलवार को काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास में अपना कार्यभार संभाल लिया। भारतीय दूतावास के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे पहले, दलेला कार्यभार संभालने के लिए मंगलवार को काठमांडू पहुंचे। काठमांडू में भारतीय दूतावास के उप-प्रभारी राकेश पांडे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने दलेला का स्वागत किया। दलेला ने नेपाल में भारत के राजदूत के रूप में नवीन श्रीवास्तव की जगह ली है, जो पिछले महीने सेवानिवृत्त हो गए।

अमेरिकी मदद बंद होने पर नेतन्याहू घिरे, विपक्ष बोला- सुरक्षा पर बड़ा खतरा

यरूशलेम, एजेंसी। इस्राइल के विपक्ष के नेता यायर लापिड ने बुधवार को इस्राइल को दी जाने वाली सालाना अमेरिकी सहायता को खत्म करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले की आलोचना की। उन्होंने इसे देश के इतिहास की सबसे गंभीर राजनीतिक और सुरक्षा विफलताओं में से एक बताया और इस मामले को संभालने के तरीके को लेकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर सवाल उठाए। लापिड ने कहा, 'ट्रंप का फैसला देश के इतिहास की सबसे गंभीर राजनीतिक और सुरक्षा विफलताओं में से एक है। यह सोचना भी मुश्किल है कि नेतन्याहू ने इसके आगे घुटने टेक दिए, और उससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि वह सुरक्षा तंत्र को तैयार करने में भी नाकाम रहे।' उनकी यह टिप्पणी तब आई जब ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका इस साल के अंत तक इस्राइल को दी जाने वाली लगभग 4 अरब अमेरिकी डॉलर की सालाना सहायता बंद कर देगा। ट्रंप का तर्क है कि इस्राइल आर्थिक रूप से इतना मजबूत है कि वह अपने हथियार खुद खरीद सकता है। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि इस्राइल तरक्की कर रहा है। उसे अब वित्तीय सहायता की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि नेतन्याहू ने खुद ही इस सहायता को खत्म करने की संभावना पर बात की थी। रक्षा तैयारियों पर पड़ेगा असर इस घोषणा ने इस्राइली विपक्षी नेताओं के बीच देश की रक्षा तैयारियों पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर चिंता पैदा कर दी है, खासकर ऐसे समय में जब देश को क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस्राइल की डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष यायर गोलान ने भी इस कदम की आलोचना की। उन्होंने अमेरिकी सहायता बंद होने को देश की सुरक्षा और सार्वजनिक वित्त (पब्लिक फाइनेंस) के लिए एक बड़ा झटका बताया। गोलान ने कहा, 'अमेरिकी सहायता का रुकना इस्राइल की सुरक्षा और वहां के लोगों के जीवन स्तर के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि ऐसे नाजुक समय में सुरक्षा जरूरतों के लिए फंड जुटाने का पूरा बोझ इस्राइली जनता पर आ जाएगा।' उन्होंने इस्राइल की रक्षा क्षमताओं पर पड़ रहे दबाव की ओर भी इशारा किया। इसमें लगातार चल रहे सैन्य अभियानों के बाद एयर डिफेंस सिस्टम और आक्रामक हथियारों को फिर से तैयार करने (या उनकी भरपाई करने) की जरूरत भी शामिल है। सैन्य और सुरक्षा साझेदार रहा है। 2016 में हुए 10 साल के एक समझौते के तहत, वाशिंगटन ने 2028 तक इस्राइल को हर साल लगभग 3.8 अरब अमेरिकी डॉलर की सैन्य सहायता देने का वादा किया था।

अनोखी नौकरी का गजब ऑफर, सिर्फ घूमने-फिरने के मिलेंगे 95 लाख

वाशिंगटन, एजेंसी। निया घूमने के लिए लोग अपनी जमा-पूंजी खर्च करते हैं, लेकिन कल्पना कीजिए कि कोई कंपनी आपको छह महीने तक घूमने के पैसे दे! वर्जिन ग्रुप ने हेड ऑफ यस नाम से ऐसी ही एक विशेष भूमिका निकाली थी। इसमें चुने गए व्यक्ति को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जाकर नए अनुभव लेने थे और उन अनुभवों को वीडियो, तस्वीरों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए लोगों तक पहुंचाना था। यह भूमिका वर्जिन के यात्रा और आतिथ्य से जुड़े अनुभवों को लोगों के सामने पेश करने के लिए तैयार की गई थी। चयनित व्यक्ति को कंपनी के होटल, क्रूज और अन्य यात्रा सुविधाओं का अनुभव करना था। इसके बाद उन अनुभवों को रोचक कहानियों के रूप में साझा करना था। यह छह महीने का कार्यक्रम जनवरी 2027 से शुरू होना निर्धारित था।

इस अनोखी भूमिका के लिए भुगतान भी आकर्षण का बड़ा हिस्सा था। अमेरिका में रहने वाले चयनित उम्मीदवार को छह महीने के लिए 1 लाख डॉलर यानी करीब 95 लाख रुपये दिए जाने थे। वहीं, ब्रिटेन के उम्मीदवार



के लिए 75 हजार पाउंड यानी लगभग 91 लाख रुपये का भुगतान तय था। यह रकम छह महीने की साझेदारी के लिए थी, न कि सालाना वेतन। यात्रा से जुड़े खर्च भी कंपनी की ओर से वहन किए जाने थे। यानी चयनित व्यक्ति को घूमने के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के लिए भुगतान मिलता।

कहानी सुनाने का हुनर जरूरी: आमतौर पर कंटेंट क्रिएटर से जुड़ी नौकरियों में सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या और पुराने काम को काफी महत्व दिया जाता है। लेकिन वर्जिन ग्रुप ने इस भूमिका के लिए अलग सोच रखी थी। कंपनी ने साफ किया था कि उम्मीदवार का पेशेवर कंटेंट क्रिएटर होना या सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स होना जरूरी नहीं है। कंपनी ऐसे व्यक्ति की तलाश में थी, जिसके भीतर रचनात्मकता हो, नए अनुभव लेने का उत्साह हो और अपनी कहानी दिलचस्प अंदाज में सुनाने की क्षमता हो। उम्मीदवार को अपने जीवन का ऐसा अनुभव साझा करना था, जब उसने किसी नए अवसर, चुनौती या रोमांचक काम के लिए हां कहा हो और उस फैसले ने उसकी जिंदगी में कोई बदलाव लाया हो।

रिचर्ड ब्रैनसन ने भी साझा किया था नौकरी का ऑफर

वर्जिन ग्रुप के संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन ने भी सोशल मीडिया पर इस अवसर की जानकारी साझा की थी। यह कोई लॉटरी या इनाम जीतने का मौका नहीं था, बल्कि चयन प्रक्रिया के जरिए मिलने वाली छह महीने की भुगतान वाली साझेदारी थी। इसमें चुने गए व्यक्ति को वर्जिन के विभिन्न यात्रा अनुभवों को करीब से जानना और उन्हें अपने अंदाज में दुनिया के सामने पेश करना था।

इस नौकरी के लिए आवेदन का तरीका भी सामान्य भर्तियों से अलग था। उम्मीदवारों को पारंपरिक बायोडाटा भेजने के बजाय एक छोटा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा करना था। आवेदन के लिए ये शर्तें रखी गई थीं- अपने जीवन का कोई रोमांचक या यादगार अनुभव चुनना था। उस अनुभव पर एक छोटा वीडियो तैयार करना था। वीडियो को इंस्टाग्राम, यूट्यूब या टिकटॉक पर साझा करना था। सोशल मीडिया प्रोफाइल सार्वजनिक रखनी थी, ताकि कंपनी की टीम वीडियो देख सके। कंपनी ऐसे वीडियो देखना चाहती थी, जिनसे उम्मीदवार का व्यक्तित्व, रचनात्मकता और कहानी सुनाने का अंदाज सामने आए। इस नौकरी के लिए उम्र और निवास से जुड़ी शर्तें भी थीं। उम्मीदवार की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए थी। आवेदन का अवसर अमेरिका और ब्रिटेन के पात्र निवासियों के लिए था। वर्जिन ग्रुप के कर्मचारी इस चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकते थे। इसका मतलब है कि भारत में रहने वाले लोग इस भर्ती के लिए सीधे आवेदन नहीं कर सकते थे।

ईरान की ट्रंप को खुलेआम जान से मारने की धमकी

तेहरान में बिलबोर्ड पर लिखा-वी विल किल ट्रंप, खून से सनी तस्वीरें भी लगाईं

तेहरान , एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में मंगलवार को अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई बड़े पोस्टर और बैनर लगाए गए। मध्य तेहरान के व्यस्त एंगेलाब चौक के पास लगे एक विशाल पोस्टर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जेल की सलाखों के पीछे दिखाया गया है। इसके साथ लिखा है, हम ट्रंप को मार डालेंगे। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर पोस्टर और बिलबोर्ड नारों के जरिए सड़कों पर दिखाई देने लगा है। तेहरान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने वाला विशाल बिलबोर्ड लगाया गया है। इसमें ट्रंप को जेल की सलाखों के पीछे दिखाते हुए लिखा गया है- हम ट्रंप को मार डालेंगे। शहर में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का बदला लेने की मांग भी की। पोस्टर सामने आने के बाद यह तस्वीर ईरान के अमेरिका विरोधी संदेशों और दोनों देशों के बीच जारी तनाव को लेकर चर्चा में आ गई है।

लाल झंडे लेकर सड़कों पर उतरे लोग: एंगेलाब चौक पर बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में लाल झंडे और बैनर थे। एक बैनर पर लिखा था, खून बहेगा। लोग ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का बदला लेने की मांग कर रहे थे। खामेनेई की मौत 28 फरवरी को



अमेरिका और इजराइल के हमलों में हुई थी। इसके बाद पश्चिम एशिया में युद्ध भड़क गया था। तेहरान के उत्तरी हिस्से में स्थित ताजरीश चौक पर खुले मैदान में एक प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें ट्रंप की कई विवादित तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। एक चित्र में उन्हें जमीन पर मुंह के बल गिरा हुआ दिखाया गया है। उनका चेहरा खून से सना है और उनके सिर पर किसी व्यक्ति का पैर रखा हुआ है। एक अन्य चित्र में ट्रंप के चेहरे को बम से ढका हुआ दिखाया गया है। इसके अलावा, वहां जेल की कोठरी की आदमकद प्रतिकृति भी बनाई गई है। इसमें एक कलाकार पूरे दिन ट्रंप का रूप धारण कर बंदी के रूप में बैठा रहता है। पास लगी एक बड़ी स्क्रीन पर ईरान में अमेरिकी हवाई हमलों से हुई तबाही की तस्वीरें दिखाई जाती हैं।ईरान ने आरोप लगाया है कि युद्ध के दौरान ट्रंप ने जानबूझकर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें एक स्कूल और विवाह समारोह भी शामिल हैं। ईरान का दावा है कि इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कई दर्जन लोगों की मौत हुई। ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से सरकारी पोस्टर और दीवारों पर बनाए जाने वाले चित्र सार्वजनिक स्थानों का हिस्सा रहे हैं। इनके जरिए सहयोगियों का सम्मान, सैन्य हस्तियों को श्रद्धांजलि और विरोधी देशों को राजनीतिक संदेश दिए जाते रहे हैं। खासतौर पर अमेरिका और इजराइल को निशाना बनाकर ऐसे संदेश प्रदर्शित किए जाते हैं। गौरतलब है कि एक तरफ तेहरान में अमेरिका विरोधी प्रदर्शन और धमकी भरे पोस्टर दिखाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू कराने के लिए कूटनीतिक प्रयास भी किए जा रहे हैं। इन कोशिशों का मकसद युद्ध को दोबारा भड़कने से रोकना और क्षेत्र में फैले तनाव को कम करना है। ट्रंप ने भी समझौते की संभावना से इनकार नहीं किया है। हालांकि, ईरान युद्ध के कारण अमेरिका में उनकी नीतियों को लेकर असंतोष बढ़ने की बात सामने आ रही है।

मालदीव की राजनीति में भूचाल, नाबालिग के यौन शोषण मामले में पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद गिरफ्तार

मोल, एजेंसी। मालदीव के पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद को सोमवार रात पुलिस ने गिरफ्तार किया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उन्हें हुलहुमाले स्थित रेनबो ओशन फ्रंट अपार्टमेंट परिसर में उनके आवास से हिरासत में लिया गया। पुलिस ने उनके घर की तलाशी भी ली। मालदीव पुलिस ने बताया कि शाहिद को रात करीब 9 बजकर 59 मिनट पर अदालत के वारंट के तहत गिरफ्तार किया गया। उन पर 18 साल से कम उम्र के एक बच्चे के यौन शोषण का संदेह है। पुलिस ने मामले की जांच जारी होने की बात कही है, लेकिन आरोपों से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। गिरफ्तारी से कुछ समय पहले शाहिद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर अपने खिलाफ फैल रही बातों को बेबुनियाद बताया था। उन्होंने कहा कि उनके चरित्र को राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए झूठी बातें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपुष्ट दावों को आगे न फैलाएं। शाहिद ने आरोपों को खारिज किया है और गिरफ्तारी को राजनीतिक संदर्भ में देखा जा रहा है। हालांकि, पुलिस ने इसे अदालत के वारंट के तहत की गई कार्रवाई बताया है।

2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी में थे शाहिद: अब्दुल्ला शाहिद मालदीव की प्रमुख विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के वरिष्ठ नेता रहे हैं। वह पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्राथमिक चुनाव में हिस्सा लेकर 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार बनने की कोशिश कर रहे थे। वह फरवरी 2024 से अगस्त 2026 तक एमडीपी के अध्यक्ष भी रहे। पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद उन्होंने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए अभियान शुरू किया था। ऐसे समय में उनकी गिरफ्तारी से मालदीव की राजनीति में नई हलचल पैदा हो गई है। शाहिद मालदीव के जाने-माने राजनयिक और राजनीतिक नेता हैं। वह 2018 से 2023 तक पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की सरकार में विदेश मंत्री रहे। इसके अलावा उन्होंने 2021 से 2022 तक संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र के अध्यक्ष का पद संभाला था। वह मालदीव की संसद के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

पृथ्वी पर क्रैश होगा नासा का 1.5 टन वजनी अंतरिक्ष यान



न्यूयार्क , एजेंसी। पृथ्वी पर आज आसमान से आफत आने वाली है। दरअसल नासा की 1.5 टन की अंतरिक्ष वेधशाला पृथ्वी पर बुधवार को आ रही है। इस क्रम में इसके मलबे भारत के कुछ हिस्सों पर गिर सकते हैं। नासा की अंतरिक्ष वेदशाला पृथ्वी पर करीब 22 साल तक सेवा देने के बाद आ रही है। वैज्ञानिकों ने 22तक अंतरिक्ष में इसका इस्तेमाल किया जिसमें कई अहम प्रोजेक्ट्स शामिल रहे। नील गेहरेल्स स्विफ्ट ऑब्जर्वेटरी को 2004 में ब्रह्मांड के सबसे शक्तिशाली विस्फोटों, जिन्हें गामा-रे बर्स्ट कहा जाता है, का अध्ययन करने के लिए लॉन्च किया गया था। लॉन्च के समय, यह अपनी तरह की पहली मल्टीवेवलेंथ वेधशाला थी, जिसे अपने तीन टेलीस्कोपों की मदद से ब्रह्मांड के सबसे शक्तिशाली विस्फोटों का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। नासा ने सोमवार को बताया कि यूएस स्पेस फोर्स का अनुमान है कि यह अंतरिक्ष यान चार नवंबर को सुबह लगभग 3-30 बजे आ सकता है। हालांकि उन्होंने इसमें 11 घंटे का अंतर का भी अनुमान जताया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने ऐसी उम्मीद जताई है कि वायुमंडल से गुजरते समय इस अंतरिक्ष यान का ज्यादातर हिस्सा जल जाए, लेकिन कुछ हिस्से बच भी सकते हैं। बचे हुए मलबे के हिस्से को समुद्र में गिराने की तैयारी है। हालांकि, भारत, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, और मध्य व दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्से भी इसके संभावित गिरने वाले क्षेत्र में आ सकते हैं। भारत में इसके हिस्से दक्षिण तरफ गिर सकते हैं। इसमें मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, भुवनेश्वर और कोच्चि जैसे शहर शामिल हैं। वहीं, इसरो ने इस बारे में कुछ नहीं बयान जारी कर नहीं कहा है। अंतरिक्ष यान दो दशकों से भी अधिक समय तक वैज्ञानिक कार्य करने में सफल रहा। नासा ने कहा, ÷इस वेधशाला ने ब्रह्मांडीय वस्तुओं और घटनाओं के बारे में हमारी समझ को काफी व्यापक बनाया है।

मौत के बाद कौन संभालेगा आपका फेसबुक- ईमेल और बैंक खाते? कहीं आपकी डिजिटल संपत्ति न बन जाए मुसीबत

न्यूयार्क , एजेंसी। किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके सोशल मीडिया, ईमेल, ऑनलाइन खरीदारी, क्रेडिट कार्ड और मनोरंजन सेवाओं से जुड़े खातों का क्या होगा? क्या परिवार उन्हें बंद कर पाएगा या उनकी डिजिटल संपत्ति तक पहुंच बना सकेगा? कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी की जेनी तांग और शियोउन (ओवेन) वू के मुताबिक, ज्यादातर लोग इन सवालों पर पहले से विचार नहीं करते। शोधकर्ताओं ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के 21 अमेरिकी वयस्कों से बातचीत कर उनकी डिजिटल संपत्ति और मृत्यु के बाद खातों के प्रबंधन से जुड़ी चिंताओं का अध्ययन किया। कई लोगों ने अपनी भौतिक संपत्ति के लिए वसीयत तो बनवाई थी, लेकिन डिजिटल खातों के लिए कोई औपचारिक व्यवस्था नहीं की थी।

सिर्फ पासवर्ड लिखकर रखना काफी नहीं: अध्ययन में शामिल ज्यादातर लोग अपने पासवर्ड कागज या डिजिटल फाइल में सुरक्षित रखते थे। कुछ ने परिवार के सदस्यों के साथ पासवर्ड साझा भी किए थे। लेकिन बार-बार पासवर्ड बदलने के कारण सूची को अद्यतन रखना मुश्किल होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पासवर्ड मैनेजर का इस्तेमाल बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें सभी खातों के पासवर्ड सुरक्षित रखे जा सकते हैं। कुछ पासवर्ड मैनेजर में आपातकालीन सुविधा भी होती है, जिसके जरिए उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया न मिलने पर नामित व्यक्ति को पहुंच मिल सकती है।

मोबाइल बंद हुआ तो अटक सकता है खाता कई ऑनलाइन सेवाओं में दो-स्तरीय प्रमाणीकरण की व्यवस्था होती है। इसमें पासवर्ड के साथ मोबाइल या ईमेल पर भेजा गया एक अतिरिक्त कोड भी जरूरी होता है।



ऐसे में व्यक्ति की मृत्यु के बाद मोबाइल नंबर बंद हो जाए या ईमेल तक पहुंच न मिले, तो परिवार के लिए खाते खोलना मुश्किल हो सकता है। इसलिए उन मोबाइल नंबरों, ईमेल और उपकरणों की जानकारी भी सुरक्षित रखनी चाहिए, जिनसे दूसरे खातों तक पहुंच मिलती है। फेसबुक और गूगल जैसी सेवाएं कुछ ऐसी सुविधाएं देती हैं, जिनके जरिए उपयोगकर्ता अपनी मृत्यु के बाद किसी व्यक्ति को खाता संभालने या डेटा प्राप्त करने के लिए नामित कर सकते हैं।

हैकिंग और फालतू खर्च से बचाने के लिए बनाएं सूची: मृत्यु के बाद ऑनलाइन खाते अपने आप बंद नहीं होते। निष्क्रिय खातों का इस्तेमाल हैकर पहचान की चोरी, स्पैम और धोखाधड़ी के लिए कर सकते हैं। वहीं, ओटीटी सेवाओं और डिजिटल पत्रिकाओं की सदस्यता का भुगतान भी जारी रह सकता है। इसलिए सभी डिजिटल खातों की सूची बनाकर स्पष्ट निर्देश देने चाहिए कि किन खातों को बंद करना है, किनका डेटा सुरक्षित रखना है और कहां अंतिम भुगतान करना जरूरी है। पुराने और इस्तेमाल में न आने वाले खातों को समय रहते बंद करना भी बेहतर है।

डिजिटल वसीयत से परिवार की परेशानी होगी कम: विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल संपत्ति की योजना भी सामान्य वसीयत की तरह जरूरी है। पासवर्ड, खाते, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण और खातों को बंद करने से जुड़े निर्देश व्यवस्थित रखने चाहिए। इससे परिवार को अनावश्यक भागदौड़ और आर्थिक नुकसान से बचाया जा सकता है और व्यक्ति की डिजिटल संपत्ति का प्रबंधन उसकी इच्छा के अनुसार हो सकेगा।

तीन साल से कुक आइलैंड्स में फंसी महिला; कैदी जैसी जिंदगी जीने को मजबूर, कोई देश नहीं दे रहा ट्रांजिट वीजा

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका की रहने वाली 50 वर्षीय रुचिरा रणसिंघा 8 नवंबर 2023 से कुक आइलैंड्स में फंसी हुई हैं। वह अपने देश वापस लौटना चाहती हैं, लेकिन वीजा संबंधी अड़चनों ने उनकी घर वापसी रोक रखी है। रुचिरा की मुश्किलें करीब एक दशक पहले शुरू हुई थीं। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें श्रीलंका में अपनी छोटी टी-शर्ट फैक्ट्री बंद करनी पड़ी। उन पर भारी कर्ज था। उनके भाई के मुताबिक, उनके पति की करीब सात साल पहले हत्या कर दी गई थी। इन हालात से निकलने के लिए वह 2018 में श्रीलंका छोड़कर हांगकांग चली गईं, जहां उन्होंने घरेलू देखभालकर्ता के रूप में काम किया। दिसंबर 2022 में रुचिरा दो महीने के यात्रा वीजा पर न्यूजीलैंड में अपने एक चचेरे भाई के पास रहने पहुंचीं। अपने देश में कर्जदाताओं के दबाव के कारण उन्होंने वहां शरण के लिए आवेदन किया। इसके बाद उन्हें एक साल का खुला कार्य वीजा मिला और एक रेस्तरां ने उन्हें लंबे समय के रोजगार वीजा के लिए



प्रायोजित करने की पेशकश भी की। लेकिन न्यूजीलैंड के नियमों के कारण शरण आवेदन की प्रक्रिया के दौरान दूसरे वीजा में बदलाव का उनका अनुरोध स्वीकार नहीं हुआ। इसके बाद रुचिरा ने इमिग्रेशन एंड सेक्रेटेरियल सर्विसेज नाम की एजेंसी से मदद ली। एजेंसी की प्रबंधक सिल्विआन गैलेंट ने उन्हें विदेश से रोजगार वीजा के लिए दोबारा आवेदन करने के उद्देश्य से अस्थायी रूप से न्यूजीलैंड छोड़ने की सलाह दी। इसी सलाह पर वह 8 नवंबर 2023 को कुक आइलैंड्स चली गईं। लेकिन उनका नया वीजा आवेदन खारिज हो गया। न्यूजीलैंड छोड़ने के कारण उनकी शरण संबंधी वीजा शर्तों का उल्लंघन हुआ और भविष्य में न्यूजीलैंड का वीजा हासिल करने पर भी रोक लग गई। रुचिरा ने श्रीलंका लौटने का फैसला किया, लेकिन जब वह विमान में सवार होने पहुंचीं तो उन्हें बताया गया कि न्यूजीलैंड के ट्रांजिट वीजा के बिना यात्रा संभव नहीं है। कुक आइलैंड्स से बाहर निकलने के लिए उन्हें किसी दूसरे देश से होकर गुजरना पड़ता है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया दोनों ने उनके आवेदन खारिज कर दिए। ताहिती या हवाई के रास्ते जाने के विकल्पों में भी बाधा है, क्योंकि इसके लिए पहले न्यूजीलैंड में व्यक्तिगत रूप से जैविक पहचान संबंधी जानकारी देनी होगी। चार साल से वह लगातार आवेदन कर रही हैं, लेकिन कोई रास्ता नहीं निकल रहा। रुचिरा का इकलौता बेटा नवंबर में शादी करने जा रहा है। वह उसकी शादी में शामिल होना चाहती हैं। वहीं, उनकी मां भी उनकी स्थिति को लेकर बेहद चिंतित हैं और लगातार अस्पताल जा रही हैं। बीबीसी से बातचीत में रुचिरा भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि अधिकारी उनसे जो भी करने को कहेंगे, वह करने के लिए तैयार हैं। उनकी बस एक ही इच्छा है कि वह अपने घर लौट सकें। कुक आइलैंड्स के स्थानीय अधिकारियों ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की कोशिश की है। 11 अप्रैल 2025 को वहां की प्रधान आव्रजन अधिकारी चेरे आर्थर ने न्यूजीलैंड के आव्रजन विभाग को पत्र लिखकर एक विशेष व्यवस्था का सुझाव दिया था।

एआई की जगह 'सुपर इंटेलिजेंस' : ट्रंप के आदेश से सरकारी महकमों में बदली भाषा; टेक दिग्गजों ने भी अपनाया नया नाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रशासन में शब्दों और नामों को बदलने की परंपरा नई नहीं है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस शब्द को रीब्रांड करने का आदेश दिया है, वह पूरी दुनिया की दैनिक बोलचाल का हिस्सा बन चुका है। सितंबर के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सभी सरकारी एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के बजाय 'सुपर इंटेलिजेंस' शब्द का इस्तेमाल करें। यह नाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति की ओर से कराए गए एक पोल के बाद तय किया गया। इसमें 'एक्सट्रीम इंटेलिजेंस' और 'सुप्रीम इंटेलिजेंस' जैसे विकल्प भी शामिल थे। आदेश लागू होने के एक महीने बाद सरकारी तंत्र में इसका मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। सरकारी वेबसाइटों और दस्तावेजों में बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) जैसे संस्थानों ने अपनी निविदाओं में 'एसआई-पावर्ड' निगरानी तकनीक का उल्लेख करना शुरू कर दिया है। वहीं, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की वेबसाइट पर चेतावनी बैनर लगाया गया है। पेंटागन से लेकर नेशनल लैब्स तक के शोधकर्ता साक्षात्कार और बैठकों के दौरान अब भी 'एआई' शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पिछले सीजन के मुकाबले इस बार मुंबई इंडियंस की टीम में बेहतर संतुलन है: अभिनव मुकुंद



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने पिछले सीजन में टीम संयोजन से जुड़ी अपनी कमजोरियों को काफी हद तक दूर कर लिया है। उनके अनुसार, इसमें नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स की बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि वह कई खिलाड़ियों को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मुकुंद ने कहा कि इसी वजह से दो बार की चैंपियन टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए एक ज्यादा संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में सफल रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ पहले काम कर चुके विलियम्स एमआई टीम की चयन प्रक्रिया में एक नया नजरिया लेकर आए हैं। मुकुंद ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ विलियम्स के पुराने जुड़ाव का असर फ्रेंचाइजी के नीलामी और ट्रेडिंग फैसलों पर पड़ा है। मुकुंद ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले सीजन के मुकाबले इस बार एमआई की टीम में कहीं बेहतर संतुलन है। मुझे यह बात भी अच्छी लगी कि उनके नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स ने ऐसी खिलाड़ियों को चुना है जो टीम को मजबूती देंगी और उसमें वैल्यू जोड़ेंगी।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्होंने दिशा कसाट को लिया है, जिन्होंने आरसीबी में उनके साथ काफी करीब से काम किया था। इसके अलावा, तारा नॉरिस को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल करना भी काफी शानदार फैसला है। तारा 'विमेंस हंड्रेड' के पहले सीजन में ल्यूक के साथ काम कर चुकी हैं। इसी कारण उनकी टीम में ल्यूक विलियम्स का असर अभी से दिखने लगा है।' खिलाड़ियों की नई लिस्ट में मुकुंद का ध्यान विशेष रूप से तारा नॉरिस पर गया। उनके आने से एमआई को अपनी विदेशी खिलाड़ियों के कॉम्बिनेशन तय करने में ज्यादा लचीलापन मिलेगा। पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि तारा नॉरिस का 'एसोसिएट नेशन' से होना काफी फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि इससे फ्रेंचाइजी को डब्ल्यूपीएल के नियमों के तहत एक अतिरिक्त विदेशी खिलाड़ी को मैदान पर उतारने का मौका मिल सकता है। तारा के आने से टीम चयन को लेकर वह उलझन भी दूर हो गई है, जिसने पिछले सीजन में एमआई के विकल्पों को सीमित कर दिया था - खासकर तब, जब उन्हें शबनीम इस्माइल को अपनी अन्य विदेशी स्टार खिलाड़ियों के साथ टीम में शामिल करना होता था।

विराट कोहली ने बताई अपनी सबसे पसंदीदा वनडे इनिंग

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने 38वें जन्मदिन पर अपनी पसंदीदा वनडे पारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपनी कई यादगार शतकीय पारियों को पीछे छोड़ते हुए महज 43 रन की पारी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चुना। यह पारी उन्होंने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी।



2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल की पारी को चुना: स्टार स्पोर्ट्स की ओर से जारी एक वीडियो में कोहली को अपनी कुछ बेहतरीन वनडे पारियों में से पसंदीदा पारी चुनने का टास्क दिया गया था। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेली गई 43 रन की पारी को सबसे ऊपर रखा। भारत ने इस बारिश से प्रभावित मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की थी।

2011 विश्व कप फाइनल की पारी भी थी पसंद: कोहली ने शुरुआत में 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रन को चुना।

'एक साल तक कप्तानी न करें हार्दिक', पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने पांड्या को दी बड़ी सलाह



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य और ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने हार्दिक की अगली आईपीएल टीम को लेकर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि हार्दिक के लिए चेन्नई सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, लेकिन उन्हें फिलहाल किसी भी टीम की कप्तानी नहीं करनी चाहिए।

केकेआर में हार्दिक को कप्तानी देने के पक्ष में नहीं रायुडू

अंबाती रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के लिए सही विकल्प नहीं माना है। उनका कहना है कि केकेआर को इस समय नए कप्तान की जरूरत है और टीम की जिम्मेदारी संभालना आसान नहीं होगा। रायुडू ने ष्टह्वद्गष्ठह्व55 पर चर्चा के दौरान कहा, 'मेरे हिसाब से पंजाब या चेन्नई, ये दोनों टीमें हैं जहां हार्दिक जा सकते हैं। लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए।'

सीएसके और पीबीकेएस को बताया हार्दिक के लिए बेहतर विकल्प: रायुडू का मानना है कि चेन्नई और पंजाब में हार्दिक को अपने क्रिकेट पर ध्यान देने का अच्छा मौका मिल सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'वहां उन्हें अपने क्रिकेट के लिहाज से एक अच्छा माहौल मिलेगा। लेकिन चक्रमें उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां होंगी, क्योंकि टीम को कप्तान की जरूरत है। इस समय उस टीम की कप्तानी करना आसान नहीं है।' हालांकि, फिलहाल हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुंबई इंडियंस में हार्दिक को महसूस हुआ दबाव?

रायुडू ने आईपीएल के पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की स्थिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हार्दिक खुद को टीम के भीतर घिरा हुआ महसूस कर रहे थे। रायुडू ने कहा, 'मुंबई में मुझे ऐसा लगा कि हार्दिक को महसूस हो रहा था कि उन्हें एक कोने में धकेल दिया गया है। जब आपको ऐसा महसूस होता है, तो आप हमेशा अपने कंधे के ऊपर से देखते रहते हैं।'

कप्तानी के कारण बिगड़ सकता है ड्रेसिंग रूम का माहौल

रायुडू ने आगे बताया कि जब कोई खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खुद को असहज महसूस करता है, तो उसका असर उसके व्यवहार और प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'जब ड्रेसिंग रूम में ऐसा होता है, तो आप कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसा आप खुद भी नहीं करना चाहते। हार्दिक के लिए कई चीजें सही नहीं रहीं। इसमें उनकी गलती भी हो सकती है और कुछ दूसरी वजहें भी हो सकती हैं। रायुडू का मानना है कि अगर हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह मुंबई इंडियंस में रहना चाहते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि उन्हें कप्तान होना चाहिए। उन्हें सिर्फ अपना खेल खेलना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए मैच विनर बनना चाहिए।' रायुडू ने साफ किया कि दूसरी टीम में जाने पर भी हार्दिक को कम से कम एक सीजन कप्तानी नहीं करनी चाहिए। आईपीएल 2026 के बाद से मैदान से दूर हैं हार्दिक

हार्दिक पांड्या ने आईपीएल 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की वनडे टीम में भी चुना गया था, लेकिन समय पर फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के कारण वह वापसी नहीं कर सके। फिलहाल उनकी वापसी की आधिकारिक तारीख सामने नहीं आई है।

15 साल की तन्वी का डकार में बजा डंका

यूथ ओलंपिक खेलों में रचा इतिहास; महिला बैडमिंटन फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारत की युवा स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने सेनेगल के डकार में जारी यूथ ओलंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता की महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं।

ओडिशा की 15 वर्षीय तन्वी ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त युजुनो वतनबे को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-19 से शिकस्त दी। 54 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक के लिए होने वाले खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली। तन्वी ने इससे पहले थाइलैंड की कुंगकाएव कनानिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। अब उनके पास स्वर्ण पदक जीतकर अपने यादगार अभियान को ऐतिहासिक बनाने का



सुनहरा मौका है। फाइनल में उनका सामना चीन की यी शिन झांग से होगा, जो मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन हैं। तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में तन्वी ने गजब का संयम दिखाया।

उन्होंने 21-19 से तीसरा गेम जीतकर यादगार जीत दर्ज की। तन्वी की यह उपलब्धि यूथ ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन की बढ़ती पहचान का एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले 2010 में सिंगापुर में आयोजित पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणय ने रजत पदक जीता था। 2018 में ब्यूनस आयर्स युवा ओलंपिक में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। आदित्य जोशी ने 2014 में पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

फाइनल में होगी तन्वी की कठिन परीक्षा

तन्वी और झांग के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। इस साल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां तन्वी को कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर तन्वी के सामने फाइनल में कठिन परीक्षा होने वाली है। युजुनो के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला तन्वी के धैर्य और मानसिक मजबूती की कड़ी परीक्षा साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और किसी ने भी आसानी से हार नहीं मानी।

पिछले सीजन के मुकाबले इस बार मुंबई इंडियंस की टीम में बेहतर संतुलन है : अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने पिछले सीजन में टीम संयोजन से जुड़ी अपनी कमजोरियों को काफी हद तक दूर कर लिया है। उनके अनुसार, इसमें नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स की बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि वह कई खिलाड़ियों को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मुकुंद ने कहा कि इसी वजह से दो बार की चैंपियन टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए एक ज्यादा संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में सफल रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ पहले काम कर चुके विलियम्स एमआई टीम की चयन प्रक्रिया में एक नया नजरिया लेकर आए हैं। मुकुंद ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ विलियम्स के पुराने जुड़ाव का असर फ्रेंचाइजी के नीलामी और ट्रेडिंग फैसलों पर पड़ा है। मुकुंद ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले सीजन के मुकाबले इस बार एमआई की टीम में कहीं बेहतर संतुलन है। मुझे यह बात भी अच्छी लगी कि उनके नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स ने ऐसी खिलाड़ियों को चुना है जो टीम को मजबूती देंगी और उसमें वैल्यू जोड़ेंगी।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्होंने दिशा कसाट को लिया है, जिन्होंने आरसीबी में उनके साथ काफी करीब से काम किया था। इसके अलावा, तारा नॉरिस को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल करना भी काफी शानदार फैसला है।

मैनचेस्टर सिटी ने आरबी लीपजिंग को हराया

चैंपियंस लीग में आर्सेनल का अजेय सफर जारी



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। चैंपियंस लीग के लीग चरण के अपने चौथे मैच में आर्सेनल फुटबॉल क्लब ने चेक गणराज्य के फॉर्च्यूना एरिना में स्लाविया प्राग को 2-1 से हराकर अपना अजेय सफर जारी रखा है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी आरबी लीपजिग को 3-2 से हराकर जीत की पटरी पर लौट आई है। आर्सेनल के लिए नोनी माडुके और विक्टर ग्योकेरेस ने गोल किए, जबकि मेजबान टीम के लिए एकमात्र गोल 90वें मिनट में विक्टर नोवाक ने किया। मिकेल आर्टेटा की टीम आर्सेनल अपने मानकों से काफी दूर थी, लेकिन लीग चरण में अजेय बने रहने के लिए उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। आर्टेटा ने लिवरपूल को हराने वाली टीम में छह बदलाव किए। काई हैवर्ट्ज की जगह ग्योकेरेस को शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। इस स्वीडिश स्ट्राइकर ने जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के शुरुआती 10 मिनटों के भीतर माडुके को असिस्ट दिया, जिससे माडुके ने 9वें मिनट में गोल कर दिया। इसके बाद, 38वें मिनट में ग्योकेरेस ने खुद भी एक गोल किया। उन्होंने मिकेल मेरिनो के साथ पास का आदान-प्रदान किया और गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में अच्छा खेल दिखाया और आर्सेनल के डिफेंस पर दबाव बनाया। 90वें मिनट में नोवाक ने करीब से एक गोल किया। जीत के बाद मैनेजर आर्टेटा ने माना कि टीम अपने तय मानकों से काफी दूर थी। मैच के बाद आर्टेटा ने कहा, 'इस टीम में जबरदस्त जज्बा और अटूट विश्वास है। अगर आप इन्हें कोई मौका देते हैं, तो ये उसका पूरा फायदा उठाते हैं। हम अपने तय मानकों से बहुत दूर थे।

खेल के दौरान खासकर दूसरे हाफ में हम अपनी बुनियादी बातों, हर कॉन्सेप्ट और उन चीजों के मामले में काफी पीछे रहे जिनसे हमें बचने के लिए कहा गया था। हम एक-दूसरे से जो उम्मीदें रखते हैं, हम उन मानकों से बहुत दूर थे, लेकिन फिर भी हमने किसी तरह मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और जीत हासिल की।'

इस बीच, एर्लिंग हालैंड ने मैच के आखिर में गोल करके मैनचेस्टर सिटी को आरबी लीपजिग के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, मैनचेस्टर सिटी को लगातार दो प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि काराबाओ कप में उन्होंने ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि, यूरोपियन टूर्नामेंट में उन्होंने जीत की राह पर लौटने के लिए जरूरी प्रदर्शन किया। 37वें मिनट में आरबी लीपजिग के डिफेंडर कैस्टेलो लुकेबा ने निको ओ'रेली के शॉट को रोकने की कोशिश में गेंद को अपने ही गोलपोस्ट में डाल दिया, जिससे मैनचेस्टर सिटी को 1-0 की बढ़त मिल गई।

इसके बाद आरबी लीपजिग के रिडले बाकू ने गोल करके स्कोर बराबर करने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही एंजो फर्नांडेज ने हेडर से गोल करके मैनचेस्टर सिटी को फिर से बढ़त दिला दी। 61वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने गोल करके आरबी लीपजिग को वापस मैच में ला खड़ा किया, लेकिन 78वें मिनट में हालैंड ने निर्णायक गोल करके अपनी टीम को जीत दिला दी।

वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में

बुल्गारिया के कार्लोस नासर का जलवा

निंगबो ,(एजेंसी)। बुल्गारिया के कार्लोस नासर ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बुधवार को पुरुषों की 95 किलोग्राम कैटेगरी में तीनों वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपना चौथा विश्व खिताब जीता। चीन के निंगबो में आयोजित प्रतियोगिता में 21 वर्षीय नासर ने स्नैच में 185 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 230 किलोग्राम का वजन उठाया।

इस तरह उनका कुल वजन 415 किलोग्राम रहा, जो कजाकिस्तान के नुरगिसा अडिलेतुली से 16 किलोग्राम



अधिक था। 2024 ओलंपिक चैंपियन नासर अब 89 किलोग्राम कैटेगरी से ऊपर आ गए हैं। प्रतियोगिता में अडिलेतुली ने 399 किलोग्राम के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि 2024 एशियन गेम्स के चैंपियन, ईरान के अली अलीपोर ने 396 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। चीन के कियान फेइक्सियांग 385 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहे। नासर ने अपने सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। उन्होंने 'स्नैच' में 175 किलोग्राम, 180 किलोग्राम और 185 किलोग्राम वजन उठाया, जिसके बाद 'क्लीन एंड जर्क' में 213 किलोग्राम, 220 किलोग्राम और 230 किलोग्राम का वजन सफलतापूर्वक उठाया।

उनका आखिरी क्लीन एंड जर्क प्रयास 220 किलोग्राम के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड से बेहतर था, जबकि उनका कुल वजन (415 किलोग्राम) अलीपोर द्वारा सितंबर में बनाए गए 398 किलोग्राम के पिछले विश्व रिकॉर्ड से कहीं अधिक था।

इस जीत के साथ नासर ने अपना चौथा विश्व खिताब हासिल किया और वेटलिफ्टिंग के शीर्ष एथलीट्स में अपनी जगह और मजबूत कर ली। निंगबो में आयोजित यह चैंपियनशिप 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत है।

यूईएफए चैंपियंस लीग, कोमो की रिकॉर्ड जीत, लेंस को 9-1 से हराया

लेंस ,(एजेंसी)। कोमो ने यूईएफए चैंपियंस लीग में लेंस को 9-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में किसी इटैलियन क्लब की अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। मेहमान टीम ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बना लिया था। डौविकास ने सातवें मिनट में स्कोरिंग शुरू की और फिर 32वें मिनट में अपने स्कोर को दोगुना कर दिया। निको पाज ने हाफ टाइम से आठ मिनट पहले बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी कोमो ने लेंस को आराम से नहीं रहने दिया। लुकास दा कुन्हा ने 47वें मिनट में स्कोर 4-0 कर दिया, इसके छह मिनट बाद मार्क-ओलिवर केम्पफ ने गोल किया। सब्स्टीट्यूट माटिया लिबेराली ने 62वें मिनट में एक और गोल किया। रूबेन एगुइलर ने 65वें मिनट में गोल करके घरेलू समर्थकों को थोड़ी देर के लिए जश्न मनाने का मौका दिया, लेकिन मार्टिन बटुरिना ने चार मिनट बाद कोमो की छह गोल की बढ़त वापस दिला दी। डेब्यू कर रहे माटेओ पापासिओली ने स्टॉपेज टाइम में शानदार स्कोरलाइन पूरी की। पाज की भूमिका अहम रही। उन्होंने एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए, जबकि लिबेराली ने भी एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए।

पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास

पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है। भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था।

वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया। पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को



हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया।

टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला। 39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है।

भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।

दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष सघन खाद्य सुरक्षा अभियान संचालित

मिठाई, मावा, पनीर एवं अन्य खाद्य पदार्थों के लिए गए नमूने, विभिन्न प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों को जारी किया गया कारण बताओ नोटिस

मूक पत्रिका

सक्ती:-जिले में आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर के आदेश एवं उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार दीपावली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए विशेष सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान मितल ट्रेडर्स सक्ती से सोनपापड़ी एवं सूजी, पिहू होटल फ्लुराम से मिल्क केक, होटल देवराज से मलाई पेड़ा, सकर्रा के मामा-भांजा होटल एंड स्वीट्स से



क्रीम रोल (स्वीट्स), अन्नपूर्णा होटल बाराद्वार से रसगुल्ला, मधुर स्वीट्स जैजैपुर से चमचम, सूर्या होटल एंड स्वीट्स हसौद से बूंदी लड्डू और कलाकंद, ननकीदाऊ मिष्ठान भंडार हसौद से पेड़ा तथा महाराजा होटल चंद्रपुर से बूंदी का नमूना लिया गया एवं जांच हेतु राज्य प्रयोगशाला भेजा गया। परीक्षण के पश्चात खाद्य पदार्थ अमानक स्तर के पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत न्यायालयीन कार्यवाही की जाएगी। जिला सक्ती में स्थित अन्नपूर्णा स्वीट्स चंद्रपुर, यादव होटल चंद्रपुर, बीकानेर स्वीट्स जैजैपुर, शिव शक्ति जोधपुर होटल, नटराज स्वीट्स, बनारसी होटल एवं छेदी होटल का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही रैपिड टेस्ट किट की सहायता से मौके पर ही मिठाइयों और खोया का परीक्षण किया गया। जिन फर्मों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमों और शर्तों के अधीन कार्य संचालन नहीं पाया गया, उन फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है एवं संतुष्टिजनक जवाब नहीं मिलने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। संयुक्त जांच दल में तहसीलदार सक्ती श्री लीलाधर चंद्रा के साथ राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार जागृति आनंद एवं श्री पद्म लोचन पटेल, अभिहित अधिकारी श्री अहसान तिग्गा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी निखिलेश साहू, शांतनु भट्टाचार्य एवं सरिता मरावी शामिल रहे।खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा खाद्य कारोबारियों से नियमों का पालन करने, साफ-सफाई रखने, मिठाइयों को खुले में नहीं रखने, अखाद्य रंग का प्रयोग नहीं करने तथा बिना मिलावट के समान बनाने की अपील की गई है। साथ ही उपभोक्ताओं से सुरक्षित एवं मानक खाद्य पदार्थ खरीदने तथा सभी खाद्य पदार्थों के लेबल पढ़कर सामान खरीदने की अपील की गई है।

चांपा में यातायात नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की कार्रवाई

लायंस चौक पर रात 8 बजे चला विशेष चेकिंग अभियान, ट्रिपल सवारी, तेज रफ्तार और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कसा शिकंजा

मूक पत्रिका





चांपा। यातायात सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर चांपा पुलिस ने शुक्रवार रात विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। लायंस चौक पर एसडीओपी लोकेश बंसल एवं थाना प्रभारी कमलेश शेण्डे पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की।अभियान के दौरान ट्रिपल सवारी करने, बिना नम्बर प्लेट,तेज रफ्तार से वाहन चलाने तथा शराब के नशे में वाहन चलाने वालों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी। विशेष रूप से लोगों से शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, दोपहिया वाहनों में ट्रिपल सवारी से बचने और निर्धारित गति सीमा का पालन करने की अपील की गई।पुलिस ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

दीपावली पर मिट्टी के दीये एवं स्वदेशी उत्पाद अपनाने जिलेवासियों से की अपील

कलेक्टर ने स्थानीय कारीगरों से खरीदे मिट्टी के दीये

मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। दीपावली पर्व पर स्थानीय कुम्हारों एवं ग्रामीण शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने तथा उनके स्वनिर्मित उत्पादों के विक्रय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं श्रीमती शीतल महोबे ने आज कुम्हारों से मिट्टी के दीये खरीदे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय कारीगरों द्वारा तैयार किए गए मिट्टी के दीयों की सराहना की तथा जिलेवासियों से दीपावली पर मिट्टी के दीयों का उपयोग करने और स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों की खरीद करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने



जिले के समस्त नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों को निर्देश जारी कर स्थानीय कुम्हारों एवं ग्रामीण शिल्पकारों को मिट्टी के दीये विक्रय करने के लिए बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने कहा है। उन्होंने निर्देशित किया है कि दीये बेचने आने वाले कुम्हारों एवं ग्रामीण शिल्पकारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उनसे कोई कर अथवा शुल्क नहीं लिया जाए। साथ ही दीपावली के दौरान आयोजित हाट-बाजारों एवं स्थानीय आयोजनों में उन्हें प्राथमिकता से स्थान उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने जिलेवासियों से भी स्थानीय कुम्हारों एवं ग्रामीण शिल्पकारों से मिट्टी के दीये एवं अन्य स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील की है।

कुरदा की छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी में लहराया परचम, तीन अभिनव मॉडल जोन स्तरीय मेले के लिए चयनित

जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल कर बढ़ाया विद्यालय व क्षेत्र का मान

मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं पश्चिम भारत विज्ञान मेले में शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कुरदा की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का शानदार प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। छात्राओं द्वारा तैयार विज्ञान मॉडलों ने विभिन्न वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है। तीनों मॉडलों का चयन आगामी बिलासपुर जोन स्तरीय पश्चिम भारत विज्ञान मेले के लिए भी किया गया है।प्रदर्शनी में छात्राओं ने दैनिक जीवन की समस्याओं के



समाधान, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। इनमें पुरानी प्लास्टिक बोतलों के पुनः उपयोग से तैयार इको फ्रेंडली बॉटल कूलर, मिट्टी के मटकों की प्राकृतिक शीतलन क्षमता पर आधारित इको फ्रेंडली मटका फ्रिज तथा जल प्रदूषण और शैवाल की समस्या के समाधान पर केंद्रित बांस का तैरता हुआ टापू (फ्लोटिंग ट्रीटमेंट वेटलैंड) प्रमुख रहे।इन मॉडलों का निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण कक्षा बारहवीं की छात्राओं अनुपमा देवांगन, आयशा कुर्रे, उमा कुर्रे, मानसी लहरे, मानसी बरेठ एवं क्रिष्टी कर्ष ने किया। छात्राओं ने निर्णायक मंडल के समक्ष आत्मविश्वास के साथ अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली, वैज्ञानिक सिद्धांत और सामाजिक उपयोगिता की जानकारी दी।छात्राओं ने श्रीमती रजिया अंजुम शेख के मार्गदर्शन और प्रेरणा में इन मॉडलों को तैयार किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता के बाद छात्राओं को जिला शिक्षा अधिकारी, जांजगीर-चांपा के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार, श्रीमती अंजना सिंह परिहार, श्रीमती शांति थवाईत, श्रीमती भावना एवं सभी शिक्षकों ने छात्राओं को बधाई देते हुए जोन स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। ग्रामीण अंचल की इन होनहार छात्राओं की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक बन गई है।

पुरानी रंजिश में घर में घुसकर हमला, दो सगे भाई गिरफ्तार, रिपोर्ट के चंद घंटों में जांजगीर पुलिस की कार्रवाई, घायल युवक को गंभीर हालत में बिलासपुर किया गया रेफर

मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर एक परिवार के साथ मारपीट और जानलेवा हमला करने के आरोप में जांजगीर पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा भी जब्त किया गया है।गिरफ्तार आरोपियों में विक्की ठाकुर उर्फ सोमेश सिंह राजपूत (27 वर्ष) और उसका भाई कन्हाई सिंह राजपूत (40 वर्ष), दोनों निवासी लछनपुर केराझरिया थाना जांजगीर शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार लछनपुर केराझरिया निवासी नोहर नाथ गोस्वामी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 5 नवंबर की रात वह अपने नाती-पोतों के साथ चांपा की ओर जा रहे थे। चांपा एनीकट के पास पुरानी रंजिश को लेकर विक्की ठाकुर ने कथित रूप से उनके साथ गाली-गलौज की और डंडा लेकर दौड़ाया। प्रार्थी जान बचाकर घर पहुंचा और दरवाजा बंद कर लिया, लेकिन आरोपी के घर में



घुसकर मारपीट करने का आरोप है। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य बाहर आए तो आरोप है कि दोनों भाइयों ने उनके साथ भी गाली-गलौज और मारपीट की। विक्की ठाकुर पर डंडे से प्रार्थी के बेटे विरेंद्र गोस्वामी और लुकेश्वर गोस्वामी के सिर पर हमला करने का आरोप है। बीच-बचाव करने पहुंचे नोहर नाथ को भी पैर में चोट लगी। हमले में विरेंद्र गोस्वामी को गंभीर चोट आने पर उसे जांजगीर अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए बिलासपुर रेफर किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूलेंडन यॉर्क एवं नगर पुलिस अधीक्षक योगिता बाली खापर्डे के निर्देश पर कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों आरोपियों को ग्राम लछनपुर के अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुजारीकांकेर के जंगल से विस्फोटकों का जखीरा बरामद, 955 डेटोनेटर सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त, जिला बल और 204 कोबरा बटालियन ने की संयुक्त कार्रवाई

मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। शुक्रवार को जिले के उसूर क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने माओवादियों द्वारा जंगल में जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए विस्फोटकों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का डंप बरामद किया। पुजारीकांकेर गांव के दक्षिण-पूर्व दिशा में पहाड़ी-जंगली इलाके में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान 455 इलेक्ट्रिक और 500 नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर सहित कुल 955 डेटोनेटर मिले। मौके से रेडियो सेट, एंटीना, रिले कंट्रोल सर्किट बोर्ड सहित अन्य तकनीकी सामग्री और नक्सल साहित्य भी जब्त किया गया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 204 कोबरा बटालियन की आसूचना शाखा से प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर जिला बल और 204 कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम ने थाना उसूर क्षेत्र के ग्राम पुजारीकांकेर के पहाड़ी एवं जंगल क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जंगल में जमीन के नीचे छिपाकर रखा गया



संदिग्ध डंप मिला। सावधानीपूर्वक तलाशी लेने पर उसमें बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए।बरामद सामग्री में दो मल्टीमीटर, दो रेडियो सेट बैटरी चार्जर कप, दो कॉपर प्रोटोटाइपिंग बोर्ड (पीसीबी), एक मल्टी यूएसबी पोर्ट कार्ड रीडर, मोबाइल चार्जर, लैपटॉप एडाप्टर, 12 वोल्ट एफएम/एएम रिट्रैक्टेबल पावर एंटीना और टेलीस्कोपिक एंटीना शामिल हैं। इसके अलावा डेटा केबल टाइप-बी, करीब आठ मीटर इलेक्ट्रिक वायर, रिले कंट्रोल सर्किट बोर्ड, स्नैप हुक और नक्सल साहित्य भी बरामद किया गया। थाना उसूर पुलिस ने बरामद सभी सामग्री को विधिवत जब्त कर लिया है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से नवीन उर्वरक वितरण प्रणाली की दी गई जानकारी

कृषि स्थायी समिति की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

मूक पत्रिका

सक्ती:- कृषि स्थायी समिति की जिला स्तरीय बैठक विगत दिवस को जिला पंचायत सक्ती के सभाकक्ष में सभापति श्रीमती विद्या सिदार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कृषि, उद्यान, मत्स्य, पशुधन, जल संसाधन, कृषि उपज मंडी, बीज निगम, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक एवं मार्कफेड विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में सहायक संचालक कृषि सुमान सिंह पैकरा द्वारा खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत किसानों को खेती की लागत कम करने, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, फसल विविधीकरण तथा दलहन,



तिलहन एवं मक्का जैसी वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही ई-टोकन प्रणाली (स्वस्वर) के माध्यम से नवीन उर्वरक वितरण प्रणाली की जानकारी दी गई। इस प्रणाली के अंतर्गत किसान अपनी आवश्यकतानुसार उर्वरक की ऑनलाइन मांग दर्ज कर सकेंगे। मांग दर्ज होने के पश्चात जारी ई-टोकन अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से निर्धारित उर्वरक विक्रय केंद्र पर आवश्यक सत्यापन उपरांत उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। किसानों को किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा तकनीकी सहायता के लिए अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अथवा संबंधित उर्वरक विक्रय केंद्र से संपर्क करने की जानकारी दी गई। इसी प्रकार उद्यान, मत्स्य, पशुधन, जल संसाधन, कृषि उपज मंडी, मार्कफेड विभाग एवं विद्युत विभाग द्वारा विभागीय जानकारी प्रस्तुत की गई तथा सिंचाई विभाग से विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर सभापति श्रीमती विद्या सिदार द्वारा निर्देशित किया गया कि ई-टोकन प्रणाली के संबंध में जिले के किसानों को व्यापक रूप से जागरूक किया जाए। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों के माध्यम से ग्राम स्तर पर किसानों को इसकी प्रक्रिया, उपयोगिता एवं लाभ की जानकारी दी जाए। किसानों को उर्वरक की उपलब्धता में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा ई-टोकन प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।